वर्ष-14 - अंक 101
पृष्ट-08 मूल्य : 01 रुपया

सीतापुर
सोमवार ,20 जुलाई 2026

RNI.No. UHIN/2012/43078

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

swatantraprabhat.com

epaper.swatantraprabhat.com

जो लिखेगा, वही टिकेगा

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून गाज़ियाबाद , दिल्ली ,पंजाब , हरियाणा ,चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

आदर्श नगर पंचायत तंबौर की मुख्य सड़क बनी खेत..... 3
गाजियाबाद के मुरादनगर में विपक्षियों पर गरजें 4
पानी के लिए तरसती पटेल नगर की जनता..... 07

लोकसभा में टीएमसी के बागी सांसद अलग बैठेंगे

अध्यक्ष ओम बिरला ने बदली 39 सांसदों की सीटें

नई दिल्ली(एजेंसी)। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में सांसदों की बैठने की व्यवस्था में बड़ा बदलाव किया है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों को सदन में अलग बैठाने के लिए कुल 39 सांसदों की सीटों और डिवीजन नंबरों में परिवर्तन किया गया है। नई व्यवस्था सोमवार से शुरू हो रहे मानसून सत्र से प्रभावी होगी। लोकसभा सचिवालय के अधिकारियों के अनुसार, टीएमसी से अलग हुए 20 सांसदों को एक साथ बैठाने के लिए सदन की सीटिंग व्यवस्था में व्यापक फेरबदल करना पड़ा। इसके चलते कई अन्य दलों के सांसदों की सीटें भी बदली गई हैं। बदले गए प्रमुख सांसदों में टीएमसी के लोकसभा नेता अभिषेक बनर्जी, वाईएसआर कांग्रेस के सांसद पी. वी. मिधुन रेड्डी और शिरोमणि अकाली दल की सांसद हरसिमरत कौर बादल भी शामिल हैं। लोकसभा और राज्यसभा में प्रत्येक सांसद को एक डिवीजन नंबर आवंटित किया जाता है, जिसके आधार पर सदन में उसकी सीट निर्धारित होती है। यही नंबर सदन में मतदान, दस्तावेजों पर हस्ताक्षर और अन्य संसदीय प्रक्रियाओं में भी उपयोग किया जाता है। सीटों में बदलाव के साथ संबंधित सांसदों के डिवीजन नंबर भी बदल दिए गए हैं, जिनका उपयोग वे मानसून सत्र से करेंगे। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को टीएमसी के 20 बागी सांसदों को सदन में अलग बैठने की अनुमति प्रदान की थी। इन सांसदों ने दावा किया है कि वे नेशनल सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हो चुके हैं और अलग संसदीय समूह के रूप में अपनी पहचान चाहते हैं। इसी आधार पर नई बैठक व्यवस्था लागू की गई है। इसी दिन अध्यक्ष ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को भी मंजूरी दी थी। इन दोनों फैसलों के बाद संसद के मानसून सत्र से पहले राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। टीएमसी के बागी सांसदों को अलग पहचान दिए जाने के मुद्दे पर विपक्ष ने पहले ही आपत्ति जताई थी। सर्वदलीय बैठक में कई विपक्षी दलों ने इस निर्णय का विरोध करते हुए वॉकआउट भी किया था। विपक्ष का तर्क था कि बागी सांसदों की स्थिति पर अंतिम निर्णय होने से पहले उन्हें अलग समूह के रूप में मान्यता देना उचित नहीं है।

पेपर लीक के विरोध में 'संसद चलो' मार्च आज

शर्तों के साथ अनशन खत्म कर सकते हैं सोनम वांगचुक

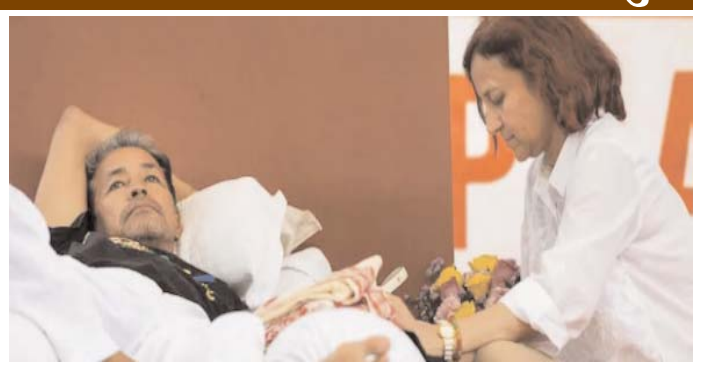

नई दिल्ली(एजेंसी)। प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं के विरोध में राजधानी दिल्ली में छात्रों का आंदोलन तेज हो गया है। सोमवार को प्रस्तावित 'संसद चलो' मार्च से पहले रविवार को जंतर-मंतर पर बड़ी संख्या में छात्र और समर्थक जुटे। इस बीच अस्पताल में भर्ती सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की पत्नी डॉ. गीतांजलि आंग्मो ने कहा कि यदि विभिन्न राजनीतिक दलों के नेता अस्पताल पहुंचकर वांगचुक से मुलाकात करें और संसद के मानसून सत्र में 'शिक्षा की जवाबदेही' का मुद्दा उठाने का ठोस आश्वासन दें, तो वह सोमवार को अपना अनशन समाप्त कर सकते हैं। डॉ. आंग्मो ने कहा कि यदि वांगचुक अनशन समाप्त भी करते हैं, तब भी आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि वह स्वयं सोमवार को होने वाले 'संसद चलो' मार्च में वांगचुक का प्रतिनिधित्व करेंगी। साथ ही छात्रों और अभिभावकों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने तथा किसी भी भड़काऊ गतिविधि से दूर रहने की अपील की। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती किए जाने के बावजूद सोनम वांगचुक ने आंदोलन जारी रखने का संदेश दिया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी संदेश में इस आंदोलन को 'आजादी का दूसरा आंदोलन' बताते हुए कहा कि यह युवाओं के भविष्य, न्याय और पारदर्शिता की लड़ाई है। उन्होंने पेपर लीक को देश के युवाओं के साथ बड़ा अन्याय बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से संसद मार्च में शामिल होने का आह्वान किया। रविवार को जंतर-मंतर पर देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे छात्रों और युवाओं ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लगातार पेपर लीक और भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं से लाखों युवाओं का भविष्य प्रभावित हुआ है। छात्रों ने मांग की कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। इस बीच आंदोलन का समर्थन कर रहे सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने लोगों से शांतिपूर्ण तरीके से मार्च में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में किसी भी राजनीतिक दल का झंडा नहीं लाया जाए। प्रतिभागी केवल तिरंगा, भारतीय संविधान और महापुरुषों के चित्र लेकर शामिल हों, ताकि आंदोलन की निष्पक्षता और उद्देश्य स्पष्ट रहे। सोशल मीडिया पर भी आंदोलन को व्यापक समर्थन मिला। रविवार को #संसदचलो पूरे दिन ट्रेंड करता रहा और देशभर से लोग पोस्ट, तस्वीरें और वीडियो साझा कर छात्रों के आंदोलन के प्रति समर्थन जताते रहे। वहीं, दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है और संसद मार्च को देखते हुए राजधानी के संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

युवा अधिकारी बनें राष्ट्र निर्माण के उत्प्रेरक : रक्षा निखिल खडसे

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा आयोजित 'विकसित युवा बनाएगा विकसित भारत' विषयक चौथे एवं अंतिम क्षेत्रीय चिंतन शिविर का रविवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में समापन हुआ। दो दिवसीय इस शिविर में युवाओं की राष्ट्र निर्माण में भागीदारी बढ़ाने, सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जमीनी स्तर पर युवा नेतृत्व को सशक्त बनाने पर व्यापक मंथन किया गया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने युवा अधिकारियों से राष्ट्र निर्माण का उत्प्रेरक बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले अधिकारी युवाओं की समस्याओं और संभावनाओं को सबसे बेहतर तरीके से समझते हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी केवल योजनाओं का क्रियान्वयन करना नहीं, बल्कि युवाओं को प्रेरित कर उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना भी है। उन्होंने कहा कि MY Bharat, एक्सपीरिएंशियल लर्निंग प्रोग्राम (ELP), प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना (PMIS) और फिट इंडिया अभियान जैसी पहलें तभी सफल होंगी, जब उनका प्रभावी क्रियान्वयन स्थानीय स्तर पर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से युवाओं को केवल करियर निर्माण तक सीमित न रखकर देश के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। युवा कार्यक्रम विभाग के संयुक्त सचिव शिव रतन ने कहा कि विभिन्न मंत्रालयों की MY Bharat के साथ बढ़ती भागीदारी इस मंच की बढ़ती उपयोगिता का प्रमाण है। उन्होंने अधिकारियों से राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय हितधारकों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल देते हुए कहा कि प्रत्येक राज्य की चुनौतियां अलग हैं और उनके समाधान भी स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप होने चाहिए। MY Bharat की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रियंका शुक्ला ने अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि युवाओं को स्वयंसेवा, नेतृत्व और सामुदायिक सहभागिता के अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

आंध्र प्रदेश में भीषण सड़क हादसा, लॉरी-कार की टक्कर में चार की मौत, एक गंभीर

विशाखापत्तनम। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में रविवार को एक भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना आनंदपुरम राष्ट्रीय राजमार्ग पर सत्तरावु जंक्शन के पास लॉरी और कार की आमने-सामने की टक्कर से हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से पुलिस ने तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। घटना की सूचना मिलते ही आनंदपुरम पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। पुलिस ने मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

भारत दौरे पर पहुंचे पनामा के विदेश मंत्री

नई दिल्ली। भारत और पनामा के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से पनामा के विदेश मंत्री जेवियर एडुआर्डो मार्टिनेज-आचा वास्केज पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर भारत पहुंचे हैं। उनका दौरा 19 से 23 जुलाई तक चलेगा, जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार, समुद्री सुरक्षा, निवेश और आतंकवाद निरोधक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि पनामा के विदेश मंत्री नई दिल्ली पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पनामा साझा मूल्यों, पारस्परिक हितों और सद्भावना पर आधारित मजबूत साझेदारी साझा करते हैं तथा यह यात्रा दोनों देशों के संबंधों को और मजबूती प्रदान करेगी। दौरे के दौरान सोमवार को पनामा के विदेश मंत्री सबसे पहले नई संसद भवन में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात करेंगे। इस बैठक में द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श होगा। इसके बाद हैदराबाद हाउस में उनकी विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर के साथ उच्चस्तरीय द्विपक्षीय वार्ता होगी। दोनों नेता वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों, समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग तथा विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को और विस्तार देने पर चर्चा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस यात्रा से भारत और पनामा के बीच राजनीतिक, आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद है।

भारी बारिश को लेकर उत्तराखंड सरकार अलर्ट

सीएम धामी ने दिए 24 घंटे सतर्क रहने के निर्देश

देहरादून(एजेंसी)। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश और खराब मौसम को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य के सभी संबंधित विभागों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने मुख्य सचिव आनंद बर्धन और सचिव आपदा प्रबंधन विनोद कुमार सुमन को प्रदेशभर की स्थिति पर लगातार निगरानी रखने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जहां कहीं भी भारी वर्षा, भूस्खलन, सड़क अवरुद्ध होने या अन्य आपदा की स्थिति उत्पन्न हो, वहां जिला प्रशासन बिना किसी देरी के कार्रवाई करे। राहत एवं बचाव दलों को पूरी तरह तैयार रखा जाए और प्रभावित लोगों को समय पर हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क, बिजली, पेयजल और संचार जैसी आवश्यक सेवाएं बाधित होने पर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र बहाल किया जाए। साथ ही चारधाम यात्रा मार्ग सहित सभी प्रमुख सड़कों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जाए, ताकि यात्रियों की सुरक्षा और आवागमन प्रभावित न हो। मुख्यमंत्री धामी ने प्रदेशवासियों और उत्तराखंड आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों से मौसम विभाग और प्रशासन द्वारा जारी एडवाइजरी का पालन करने की अपील की। उन्होंने खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने, भूस्खलन संभावित क्षेत्रों तथा उफनते नदी-नालों के आसपास नहीं जाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति या असुविधा की सूचना तत्काल स्थानीय प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार पूरी तरह सतर्क है और सभी संबंधित विभागों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रखा गया है, जिससे किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नगालैंड में भारी बारिश से तबाही, भूस्खलन में आठ की मौत

कोहिमा/मोन(एजेंसी)। नागालैंड के मोन जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने भारी तबाही मचाई है। रविवार सुबह हुए भीषण भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 लोग घायल हो गए। आशंका है कि कई अन्य लोग अब भी मलबे में दबे हो सकते हैं। हादसे के बाद प्रशासन, सेना और आपदा राहत एजेंसियों ने युद्धस्तर पर बचाव अभियान शुरू कर दिया है। जानकारी के अनुसार, मोन जिले के डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में सुबह अचानक पहाड़ी का बड़ा हिस्सा खिसक गया, जिससे 10 से 15 मकान मलबे में दब गए। इनमें 13 मकानों को गंभीर क्षति पहुंची है। लगातार बारिश और अस्थिर पहाड़ी ढलानों के कारण राहत एवं बचाव कार्य में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। मोन के उपायुक्त वेन्येई कोन्याक ने बताया कि अब तक आठ लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों में महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल हैं। हादसे में 12 लोग घायल हुए हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कई लोगों के अभी भी मलबे में फंसे होने की आशंका है और उनकी तलाश जारी है। उन्होंने बताया कि सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र मोन टाउन और तिजित हैं। भारी बारिश रात करीब एक बजे शुरू हुई थी और सुबह छह से सात बजे के बीच भूस्खलन की सूचना मिली। इसके बाद राहत एजेंसियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। राहत एवं बचाव अभियान में असम राइफल्स, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), नागालैंड पुलिस, जिला प्रशासन और स्थानीय स्वयंसेवक संयुक्त रूप से जुटे हुए हैं। मलबा हटाने के लिए भारी मशीनों की भी मदद ली जा रही है। भारी बारिश के चलते मोन शहर के अन्य हिस्सों में भी जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। कई स्थानों पर नदी किनारे कटाव बढ़ने से मकानों पर खतरा मंडरा रहा है।

15 मौतों वाली इमारत होगी ध्वस्त

लखनऊ(एजेंसी)। राजधानी के अलीगंज सेक्टर-डी स्थित उस इमारत को ध्वस्त करने की प्रक्रिया तेज हो गई है, जिसमें 22 जून को भीषण आग लगने से 15 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) ने भवन स्वामी को इमारत स्वयं गिराने के लिए 10 जुलाई को नोटिस जारी कर 15 दिन का समय दिया था। अब इस अवधि के समाप्त होने में केवल कुछ दिन शेष हैं। रविवार को भवन से शेष सामान निकालने का कार्य जारी रहा। भूतल पर संचालित पेट शॉप का सामान भी बाहर निकाला गया। इस दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात रहा और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई। एलडीए अधिकारियों के अनुसार, यदि निर्धारित समयसीमा के भीतर भवन स्वामी स्वयं इमारत नहीं गिराता है, तो प्राधिकरण अपने स्तर पर ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा और इसकी लागत भी भवन स्वामी से वसूली जाएगी। गौरतलब है कि 22 जून को इस इमारत में लगी भीषण आग में 15 लोगों की जान चली गई थी। हादसे के बाद भवन की निर्माण गुणवत्ता, अग्नि सुरक्षा मानकों और अन्य नियमों के पालन को लेकर गंभीर सवाल उठे थे। मामले की जांच जारी है, जबकि एलडीए ने भवन को असुरक्षित मानते हुए उसे ध्वस्त करने का निर्णय लिया है।

टीएमसी के 20 सांसद एनसीपीआई में शामिल, संसद में सियासी हलचल तेज

नई दिल्ली(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 सांसदों के अपनी पार्टी में विलय की आधिकारिक घोषणा कर दी है। पार्टी ने रविवार को जारी बयान में कहा कि विलय स्वीकार किए जाने के बाद सभी सांसद अब औपचारिक रूप से एनसीपीआई का हिस्सा बन गए हैं। पार्टी का दावा है कि इन नेताओं के शामिल होने से जनसेवा और राष्ट्र निर्माण के प्रति उसका संकल्प और अधिक मजबूत होगा। एनसीपीआई द्वारा जारी सूची में सुदीप बंद्योपाध्याय, डॉ. काकोली घोष दस्तीदार, शताब्दी रॉय, माला रॉय, मिताली बाग, पार्थ भौमिक, दीपक देव अधिकारी, डॉ. शर्मिला सरकार, सयानी घोष, बापी हलदार, कालीपद सारेन खेरवाल, जगदीश चंद्र बर्मा बसुनिया, प्रसून बनर्जी, अरूप चक्रवर्ती, असित कुमार मल, यूसुफ पठान, जून मालिया, खलीलुर रहमान, मोहम्मद अबू ताहेर खान और रचना बनर्जी के नाम शामिल हैं। पार्टी ने अपने बयान में कहा कि इन सांसदों के जुड़ने से संगठन की ताकत बढ़ेगी और देश के विकास तथा जनहित के कार्यों को नई गति मिलेगी। एनसीपीआई ने इसे राष्ट्र निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। इधर, संसद के मानसून सत्र से पहले आयोजित सर्वदलीय बैठक में भी यह मुद्दा गरमा गया। विपक्षी दलों ने एनसीपीआई के नेताओं को बैठक में बुलाए जाने का विरोध करते हुए प्रतीकात्मक वॉकआउट किया। विपक्ष का कहना था कि लोकसभा अध्यक्ष द्वारा अंतिम निर्णय से पहले बागी सांसदों को अलग राजनीतिक इकाई के रूप में मान्यता देना उचित नहीं है। हालांकि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सरकार के फैसले का बचाव करते हुए कहा कि 20 सांसदों को बैठक से बाहर नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि सभी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष को नई पार्टी में शामिल होने और सदन में अलग बैठने के लिए आवेदन दिया है, जो नियमों के अनुसार विचाराधीन है।

छात्रों के भविष्य से न करें खिलवाड़ : अखिलेश यादव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रामपुर स्थित मोहम्मद अली जौहर विश्वविद्यालय को लेकर भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी को बचाने की छात्रों और अभिभावकों की मुहिम में समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ी है। भाजपा सरकार बदले की भावना से विश्वविद्यालय को अपनी संकीर्ण राजनीति का शिकार बनाने की कोशिश कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि यदि विश्वविद्यालय में किसी प्रकार की कागजी कमी है तो उसे पूरा कराकर संस्थान को बचाया जाना चाहिए, न कि हजारों छात्रों के भविष्य पर संकट खड़ा किया जाए। उन्होंने कहा कि जौहर यूनिवर्सिटी में गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं, जिनके लिए महंगे निजी संस्थानों या विदेश में शिक्षा प्राप्त करना संभव नहीं है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा का मंदिर होता है और इसे बचाने के लिए देशभर के लोगों से आगे आने की अपील की। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की नीतियां शिक्षा विरोधी हैं और शिक्षित, जागरूक तथा प्रगतिशील समाज से भाजपा डरती है। इसी कारण शिक्षा संस्थानों को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार रोजगार और भर्ती के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए शिक्षा संस्थानों पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने दावा किया कि पहले प्राथमिक विद्यालयों को बंद करने की कोशिश की गई, जिसका जवाब समाजवादी पार्टी ने 'पीडीए पाठशाला' अभियान चलाकर दिया था और अब भाजपा की नजर विश्वविद्यालयों पर है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि जौहर यूनिवर्सिटी पर की जा रही कार्रवाई प्रतिशोध की भावना से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि एकतरफा कार्रवाई कर हजारों छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है, जो पूरी तरह निंदनीय है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता, समर्थक और नेता छात्रों तथा उनके अभिभावकों के साथ खड़ा है और शिक्षा के इस संस्थान को बचाने के लिए हर लोकतांत्रिक संघर्ष में भागीदारी करेगा।

विक्रम-1 की सफलता से बढ़ेगी भारत की सामरिक ताकत

सेना के लिए ऑन-डिमांड सैटेलाइट लॉन्च का रास्ता खुला

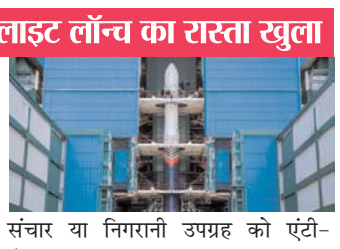

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-1 की सफलता ने देश के अंतरिक्ष क्षेत्र के साथ-साथ रक्षा क्षमताओं को भी नई मजबूती दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि भविष्य में सेना की जरूरत के अनुसार कम समय में जासूसी और निगरानी उपग्रहों (टैक्टिकल सैटेलाइट) के ऑन-डिमांड लॉन्च का मार्ग प्रशस्त करेगी। इसे भारत की अंतरिक्ष सुरक्षा और आधुनिक युद्ध क्षमता के लिए महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वर्तमान समय में युद्ध केवल जमीन, हवा और समुद्र तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अंतरिक्ष भी रणनीतिक लड़ाई का अहम मोर्चा बन चुका है। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार यदि युद्ध के दौरान किसी देश के संचार या निगरानी उपग्रह को एंटी-सैटेलाइट मिसाइल से नष्ट कर दिया जाए, तो उसकी सैन्य क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती है। ऐसे में विक्रम-1 जैसे छोटे और तेजी से लॉन्च होने वाले रॉकेट भारत के लिए निर्णायक साबित हो सकते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इसरो के बड़े रॉकेटों को प्रक्षेपण के लिए लंबी तैयारी की आवश्यकता होती है, जबकि विक्रम-1 ठोस ईंधन तकनीक पर आधारित होने के कारण कम समय में लॉन्च के लिए तैयार किया जा सकता है।

संक्षिप्त खबरें

सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी का आरोप

रतनपुर/महराजगंज। सोशल मीडिया पर महिलाओं के प्रति अत्यंत अशोभनीय, अश्लील और हिंसात्मक भाषा का वीडियो प्रसारित करने का मामला सामने आया है। इस घटना से क्षेत्र के लोगों और समाजसेवियों में भारी आक्रोश है। नौतनवां थाना क्षेत्र के ग्राम गणेशपुर टोला कोहड़वल निवासी अमित शुक्ला पुत्र कृष्ण मुरारी शुक्ला ने इस मामले पर कड़ा विरोध जताया है। नौतनवा पुलिस को तहरीर देकर अमित शुक्ला ने बताया कि कुछ समय पूर्व ग्राम हथियहवा निवासी एक मुस्लिम समुदाय के युवक द्वारा सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया था। इस वीडियो में महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली बेहद अश्लील, यौन संबंधी गालियों और हिंसक भाषा का खुलकर इस्तेमाल किया गया था। इस तरह के कृत्य से समाज की समस्त महिलाओं की गरिमा, सम्मान और सुरक्षा की भावना को गहरी ठेस पहुंची है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सरेआम इस तरह की अभद्रता फैलाना सामाजिक ताने-बाने को बिगाड़ने की कोशिश है। क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है।

राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की नई कार्यकारिणी गठित, पदाधिकारियों ने ली शपथ

देवरिया। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की जनपद शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस अवसर पर आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में नवनियुक्त एवं नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के संविधान के प्रति निष्ठा, ईमानदारी, निष्पक्षता और कर्तव्यनिष्ठा से कार्य करने की शपथ ली। समारोह में पदाधिकारियों को अंगवस्त्र और स्मृति-चिह्न देकर सम्मानित भी किया गया। नई कार्यकारिणी में शौकत अली को अध्यक्ष, आनंद कुमार शर्मा को मंत्री, दुर्गेश शर्मा को कोषाध्यक्ष तथा रत्नेश द्विवेदी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनाया गया। इसके अलावा विभिन्न पदों पर अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। मुख्य अतिथि आर.के. वर्मा ने कहा कि परिषद हमेशा कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रही है। मुख्य वक्ता आर.के. निगम ने संगठन की एकजुटता और सक्रिय भागीदारी को कर्मचारी हितों की सबसे बड़ी ताकत बताया। अध्यक्षीय संबोधन में अजय प्रकाश धर द्विवेदी ने संगठनात्मक अनुशासन, विश्वास और समन्वय को सफलता की कुंजी बताते हुए नई टीम से संगठन को और मजबूत बनाने की अपेक्षा जताई। समारोह के अंत में पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया। उपस्थित कर्मचारियों ने नई कार्यकारिणी पर भरोसा जताते हुए संगठन को और सशक्त बनाने का संकल्प लिया।

घोरावल पुलिस को मिली बड़ी सफलता, 25,000 का इनामिया एवं कई थानों में वांछित शातिर अपराधी गिरफ्तार

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित एवं पुरस्कार घोषित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) ऋषभ रुणवाल एवं क्षेत्राधिकारी घोरावल राजेश कुमार राय के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना घोरावल पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।थाना घोरावल पुलिस द्वारा 25,000 के पुरस्कार घोषित एवं जनपद सोनभद्र व अन्य जनपद के विभिन्न थानों में वांछित शातिर अपराधी राजेश सोनकर को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त थाना शाहगंज पर पंजीकृत मु0 अ0सं0-01/2026, धारा 3(1) उत्तर प्रदेश गैंगस्टर एक्ट में वांछित था, जिसकी गिरफ्तारी हेतु मा. न्यायालय द्वारा वारंट जारी किया गया था तथा उस पर 25,000 का पुरस्कार भी घोषित था। वांछित अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु थाना घोरावल पुलिस द्वारा लगातार निगरानी, मुखबिर तंत्र एवं तकनीकी/सर्विलांस साक्ष्यों के आधार पर विभिन्न स्थानों पर दबिश दी जा रही थी। इसी क्रम में दिनांक 18.07.2026 को प्राप्त सटीक सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा शेरवानी लेगेसी, विनायक सेंट्रल पार्क, जनपद प्रयागराज से समय लगभग 19:30 बजे अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया।

गोंडा में मेडिकल एजेंसियों की जांच की उठी मांग

» करोड़ों की नशीली दवाओं की बरामदगी के बाद पूरे गोंडा जिले में मेडिकल एजेंसियों की जांच की मांग तेज

» रघुबाबा समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोली दुबे बोले- हर मेडिकल एजेंसी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोंडा। जनपद में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन तथा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 1 करोड़ 13 लाख रुपये मूल्य की नकली एवं नशीली दवाओं की बरामदगी के बाद अब पूरे जिले में संचालित मेडिकल एजेंसियों, थोक दवा विक्रेताओं एवं मेडिकल स्टोरों की व्यापक जांच की मांग तेज हो गई है। रघुबाबा समाज सेवा संस्थान के अध्यक्ष राजकुमार दुबे उर्फ गोली दुबे ने मुख्यमंत्री, प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य, औषधि प्रशासन आयुक्त, मंडलायुक्त, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी से जिलेव्यापी विशेष अभियान चलाने की मांग की है। गोली दुबे ने कहा कि जनपद की प्रत्येक मेडिकल एजेंसी से स्थापना के बाद से अब तक की दवा खरीद, थोक बिक्री, स्टॉक, जीएसटी अभिलेख, बिल-वाउचर तथा अन्य आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन कराया जाए। यदि कोई प्रतिष्ठान अपने लाइसेंस की शर्तों के विपरीत कार्य करता पाया जाए या आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत न कर सके, तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि विशेष जांच अभियान के दौरान प्रत्येक मेडिकल एजेंसी एवं मेडिकल स्टोर पर वैध औषधि लाइसेंस, पंजीकृत फार्मासिस्ट की उपलब्धता, दवाओं के भंडारण की व्यवस्था, खरीद-बिक्री के अभिलेख तथा प्रिस्क्रिप्शन वाली दवाओं के वितरण से संबंधित नियमों के अनुपालन का भी सत्यापन किया जाना चाहिए। इससे दवा कारोबार में पारदर्शिता आएगी और आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। गोली दुबे ने मांग की कि जांच केवल शहर तक सीमित न रहे, बल्कि गोंडा सदर, मनकापुर, कर्नलगंज तथा तरबगंज तहसील के सभी कस्बों और ग्रामीण बाजारों तक पहुंचाई जाए।

उन्होंने विशेष रूप से रूपईडीह, इटियाथोक, झंझरी, मुजेहना, पंडरी कृपाल, मनकापुर, छपिया, बभनजोत , कर्नलगंज, हलधरमऊ, कटरा बाजार, परसपुर, बेलसर, तरबगंज, नवाबगंज और वजीरगंज विकास खंडों में अभियान चलाने की मांग की है। इसके अलावा खरगूपुर, धानेपुर, बाबागंज,

मनकापुर कस्बा, भवानीपुर उपाध्याय को करण नाथ शिवाला आर्य नगर कटरा बाजार, परसपुर, करनैलगंज, नवाबगंज, वजीरगंज, तरबगंज, उमरी बेगमगंज, मसकनवा, छपिया, इटियाथोक, टिकरी, कौड़िय बालपुर, बभनान तथा अन्य प्रमुख बाजारों में संचालित मेडिकल एजेंसियों एवं दवा प्रतिष्ठानों की भी जांच कराने की मांग की गई है।

गोली दुबे ने कहा कि जांच में हुई करोड़ों रुपये की बरामदगी यह संकेत देती है कि औषधि कारोबार में नियमित निरीक्षण और सतत निगरानी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर दोषी पाए जाने वालों के विरुद्ध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, एनडीपीएस अधिनियम तथा अन्य लागू कानूनों के तहत कठोर कार्रवाई करने की मांग की है।

मुख्य मांगें

» पूरे गोंडा जिले में मेडिकल एजेंसियों और मेडिकल स्टोरों का विशेष सत्यापन अभियान।

» स्थापना से अब तक की खरीद-बिक्री, स्टॉक और बिलों का ऑडिट।

» वैध लाइसेंस, पंजीकृत फार्मासिस्ट और अभिलेखों की जांच।

» थोक एवं फुटकर दवा कारोबार में लाइसेंस की शर्तों के अनुपालन का सत्यापन।

» अनियमितता मिलने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर विधिक कार्रवाई।

» नियमित निरीक्षण व्यवस्था लागू कर आम जनता के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

पानी बहाने के विवाद में भाई ने भाई पर किया कुदाल से वार, हालत नाजुक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। परसामलिक थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैकुंठपुर उर्फ बोदरवार के साहनी टोले पर रविवार सुबह घरेलू विवाद को लेकर भड़के एक बड़े भाई ने अपने ही सगे छोटे भाई पर कुदाल से जानलेवा हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। खून से लथपथ घायल को आनन-फानन में अस्पताल पहुंचाया गया जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद से ही आरोपी भाई मौके से फरार है। जानकारी के अनुसार साहनी टोला निवासी हरिहर का 48 वर्षीय पुत्र रामबृक्ष साहनी रविवार सुबह करीब 8 बजे अपने दरवाजे पर जमा बरसात का पानी निकालने के लिए कुदाल से नाली बना रहा था। नाली खोदते हुए वह जैसे ही अपने बड़े भाई रामबिलोचन साहनी के दरवाजे के सामने पहुंचा कि दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। बड़ा भाई रामबिलोचन वहां से मिट्टी हटाने का विरोध करने लगा और देखते ही देखते गाली-गलौज करते हुए मारपीट हो गई। वहां मौजूद लोग जब तक कुछ समझ पाते और बीच-बचाव की कोशिश करते तब तक तैश में आए रामबिलोचन ने हाथ में ली कुदाल से छोटे भाई रामबृक्ष की गर्दन पर सीधे वार कर दिया। गनीमत रही कि कुदाल गर्दन पर न लगकर सीधे उसके कंधे

पर जा धंसी, जिससे रामबृक्ष लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। चीख-पुकार सुनकर आस-पास के ग्रामीणों की भारी भीड़ जुटने लगी, हमलावर रामबिलोचन मौके से भाग निकला।परिजनों ने आनन-फानन में घायल रामबृक्ष को रतनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद भी खून का बहाव न रुकने और हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में भी स्थिति नियंत्रण से बाहर देख चिकित्सकों ने हाथ खड़े कर दिए जिसके बाद परिजन उसे महराजगंज के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां वर्तमान में उसका इलाज चल रहा है।

इस संबंध में थानाध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि मामले में अभी तक पीड़ित परिवार की ओर से कोई लिखित तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मामले में सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बारिश में रामजानकी मार्ग धंसा, निर्माण गुणवत्ता पर फिर उठे सवाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर; गोला उप नगर के पश्चिम चौराहे पर गोला-उरुवा मार्ग स्थित नाथे बैट्री की दुकान के सामने रविवार सुबह हुई बारिश के बाद रामजानकी मार्ग की सड़क अचानक धंस गई। सड़क का लगभग तीन फुट चौड़ा और तकरीबन इतना लम्बा हिस्सा धंस जाने से गड्ढा बन गया, जिससे कुछ समय के लिए आवागमन प्रभावित हो गया। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल मरम्मत कराने की मांग की। प्राप्त विवरण के अनुसार गोला से होकर गुजरने वाले रामजानकी मार्ग के

निर्माण की गुणवत्ता को लेकर पहले भी कई बार सवाल उठ चुके हैं। कभी निर्माण कार्य की धीमी गति, कभी सड़क तैयार होने से पहले ही डिवाइडर निर्माण, तो कभी अधूरे मार्ग पर हुई दुर्घटनाओं में कई लोगों की जान जाने जैसी घटनाओं को लेकर यह मार्ग लगातार चर्चा में रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रविवार रात हुई भारी बारिश ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता की पोल खोल दी। उनका आरोप है कि यदि निर्माण मानकों के अनुरूप हुआ होता तो पहली ही तेज बारिश में सड़क इस तरह नहीं धंसती। लोगों ने संबंधित विभाग से सड़क की तकनीकी जांच कराकर दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने तथा क्षतिग्रस्त हिस्से की शीघ्र मरम्मत कराने की मांग किया है।

वायरल वीडियो के 24 घंटे बाद विवाहिता की मौत

पति-सास पर जहर देने का आरोप; पुलिस जांच तेज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र से एक बेहद संवेदनशील मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर ससुराल पक्ष पर जहर देकर मारने का आरोप लगाते हुए एक विवाहिता का वीडियो वायरल होने के महज 24 घंटे बाद उसकी मौत हो गई। घटना के बाद पूरे इलाके में चर्चा का माहौल है। मृतका के परिजनों ने पति और सास के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए गोला पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सहित अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कही है। जानकारी के अनुसार, मृतका तराना बानो का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में वह बेहद कमजोर हालत में दिखाई दे रही थी और उसने आरोप लगाया था कि उसकी सास अक्सर उसके साथ मारपीट करती थी तथा उसके पति ने उसे जबरन जहरीला पदार्थ पिला दिया। वीडियो में उसने कहा था कि जहर देने के बाद उसे गोरखपुर में भर्ती कराया गया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर उसके पिता उसे इलाज के लिए आजमगढ़ ले गए। उसने यह भी कहा था कि लगातार इलाज के बावजूद उसकी तबीयत ठीक नहीं हो रही है।

परिजनों के मुताबिक, वीडियो वायरल होने के बाद तराना की हालत और बिगड़ गई। उसे बेहतर उपचार के लिए लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 17 जुलाई की रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मौत के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतका की मां जहरूननिशा, पत्नी सुभान अली, निवासी ग्राम कादीपुर, थाना रौनापार (जनपद आजमगढ़) ने गोला पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि उनकी पुत्री की शादी नगर पंचायत गोला की टीचर कॉलोनी निवासी नाजिम अली पुत्र इन्नल खलीफा से हुई थी। दंपती के तीन बच्चे हैं। तहरीर के अनुसार, 27 जून को पति और सास ने तराना के साथ मारपीट की और जबरन जहरीला पदार्थ पिला दिया। पहले

उसका इलाज बड़हलगंज और गोरखपुर में कराया गया, बाद में मायके वाले उसे आजमगढ़ ले गए। इसके बाद इलाज के लिए लखनऊ के मेडबिल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि उनके पास मृतका का वह वीडियो भी सुरक्षित है, जिसमें उसने स्वयं अपने पति और सास पर जहर देने का आरोप लगाया है। वहीं, पुलिस का कहना है कि तहरीर, वायरल वीडियो, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मामले की गहन जांच की जा रही है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

दाह संस्कार के बाद सरयू में उतरे, गहरे पानी ने छीनी जिंदगी

स्नान के दौरान डूबे महेंद्र कुमार, परिवार में मचा कोहराम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। गोला थाना क्षेत्र के ग्राम अहिरौली में रविवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। गांव के ही एक व्यक्ति के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए 46 वर्षीय महेंद्र कुमार की सरयू नदी में स्नान के दौरान डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद अंतिम संस्कार का माहौल देखते ही देखते मातम में बदल गया। सूचना मिलने पर गोला पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अहिरौली निवासी महेंद्र कुमार (46 वर्ष), पुत्र कोदई रविवार को गांव के एक मृतक के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बारानगर स्थित सरयू नदी तट पर गए थे। अंतिम संस्कार की सभी धार्मिक रस्में पूरी होने के बाद अन्य लोगों की तरह वह भी नदी में स्नान करने उतरे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक स्नान करते समय अचानक उनका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चले गए। तेज बहाव और गहराई के कारण वह खुद को संभाल नहीं सके और देखते ही देखते नदी में डूब गए।

महेंद्र कुमार को डूबता देख मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीण और स्थानीय लोग तुरंत नदी में कूद पड़े तथा काफी प्रयास के बाद उन्हें बाहर निकाल लिया। हालांकि जब तक उन्हें किनारे लाया गया, तब तक उनकी सांसें थम चुकी थीं। घटना की सूचना मिलते ही परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया और पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

घटना की जानकारी मिलने पर गोला थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने आवश्यक कानूनी कार्रवाई करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला स्नान के

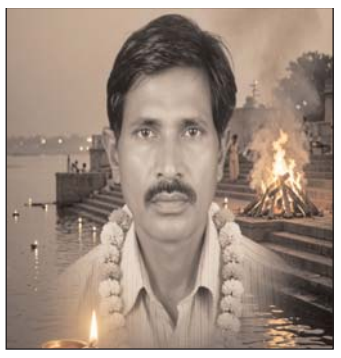

दौरान पैर फिसलने से नदी में डूबने का प्रतीत हो रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक प्रक्रिया पूरी की जाएगी। इस हादसे ने एक बार फिर बरसात के मौसम में नदियों में बढ़े जलस्तर और गहरे पानी में स्नान के खतरे को उजागर कर दिया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान नदी में उतरते समय विशेष सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि इस तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

पांच साल पूरे, ब्लॉक प्रमुख ने जताया आभार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। क्षेत्र पंचायत खजनी की ब्लॉक प्रमुख अंशु सिंह का पांच वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने पर उन्होंने क्षेत्र की जनता, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बीते पांच वर्षों में उन्होंने केवल एक जनप्रतिनिधि के रूप में नहीं, बल्कि क्षेत्र की बहू-बेटी बनकर लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनने का प्रयास किया। अंशु सिंह ने कहा कि उन्होंने हर समस्या को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए विकास कार्यों को गति देने और क्षेत्रवासियों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास किया। यदि इस दौरान उनसे अनजाने में कोई त्रुटि हुई हो तो क्षेत्र की जनता उन्हें अपनी छोटी बहन, बेटी या बहू समझकर क्षमा करे। उन्होंने कहा कि खजनी की जनता के स्नेह, विश्वास और सहयोग ने उन्हें हर चुनौती का सामना करने की शक्ति दी। यही

विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूंजी है और इसके लिए वह सदैव क्षेत्रवासियों की ऋणी रहेंगी। ब्लॉक प्रमुख ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद एवं शासन के निर्देशानुसार वह आगामी छह माह तक प्रशासक के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करती रहेंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस प्रकार पिछले पांच वर्षों में क्षेत्रवासियों का सहयोग और आशीर्वाद उन्हें मिलता रहा, उसी प्रकार आगे भी मिलता रहेगा। उन्होंने कहा कि विकास खंड खजनी के समग्र विकास, जनहित और पारदर्शी प्रशासन के लिए वह पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करती रहेंगी तथा क्षेत्र की सेवा को अपना सर्वोच्च दायित्व मानेंगी।

जल, जंगल और जमीन बचाने की लड़ाई तेज

आदिवासियों के हक की रक्षा के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करेगी सपा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/सोनभद्र- समाजवादी पार्टी ने सोनभद्र के जल, जंगल और जमीन की रक्षा को लेकर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया है। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देश पर शनिवार को राबर्ट्सगंज विधानसभा क्षेत्र के तरिया इलाके में समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा, जहां ग्रामीणों और आदिवासी परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान नेताओं ने स्पष्ट कहा कि आदिवासियों की पुश्तैनी जमीन, जंगल और प्राकृतिक संसाधनों को किसी भी कीमत पर उद्योगपतियों के हवाले नहीं होने दिया जाएगा। यदि स्थानीय लोगों के अधिकारों का हनन हुआ तो समाजवादी पार्टी सड़क से लेकर संसद तक संघर्ष करेगी। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय सचिव अविनाश कुशवाहा, समाजवादी जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व्यास जी गोंड, जिला अध्यक्ष रामनिहोर यादव, प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति प्रकोष्ठ डॉ. रवि गोंड बड़कू, रमेश सिंह यादव तथा सुनील सिंह गोंड के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने तरिया क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान ग्रामीणों एवं आदिवासी समाज के लोगों ने अपनी समस्याओं, विस्थापन की आशंका, भूमि अधिग्रहण तथा विकास

परियोजनाओं से जुड़े मुद्दों को नेताओं के सामने रखा।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि सोनभद्र अपनी प्राकृतिक संपदा, घने जंगलों, पहाड़ों, जल स्रोतों और आदिवासी संस्कृति के कारण पूरे प्रदेश में विशेष पहचान रखता है। यहां का पर्यावरण और प्राकृतिक संतुलन पूरे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है। यदि हजारों हेक्टेयर वन एवं कृषि भूमि बड़े उद्योगों और पावर प्लांटों के लिए अधिग्रहित की जाती है तो इसका सीधा असर न केवल यहां के आदिवासी और ग्रामीण परिवारों पर पड़ेगा, बल्कि पर्यावरण, जलवायु और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा। नेताओं ने आरोप लगाया कि पावर प्लांट और अन्य औद्योगिक परियोजनाओं के नाम पर आदिवासियों की भूमि तथा जंगलों को गलत तरीके से उद्योगपतियों को सौंपने की कोशिशें की जा रही हैं। इससे हजारों परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो सकता है। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन केवल संसाधन नहीं, बल्कि आदिवासी समाज की संस्कृति, परंपरा, पहचान और जीवन का आधार हैं। इनकी रक्षा करना सरकार की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

समाजवादी पार्टी नेताओं ने कहा कि किसी भी विकास परियोजना से पहले ग्राम सभा की सहमति, वनाधिकार कानून और स्थानीय लोगों के अधिकारों का पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। बिना सहमति के किसी भी परिवार को उसकी पुश्तैनी जमीन से बेदखल करना न्यायसंगत नहीं है। पार्टी हर स्तर पर आदिवासियों की आवाज को बुलंद करेगी और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए लोकतांत्रिक आंदोलन चलाएगी। प्रतिनिधिमंडल में सदर विधानसभा अध्यक्ष विजय शंकर जायसवाल, कोन ब्लॉक अध्यक्ष संतोष पासवान, कचनरवा क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य छविन्दर चेरो तथा चंदन शर्मा भी मौजूद रहे। सभी नेताओं ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया कि समाजवादी पार्टी सोनभद्र के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए हर मोर्चे पर संघर्ष करेगी। उन्होंने कहा कि सोनभद्र की प्राकृतिक धरोहर और आदिवासियों के अधिकारों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी। पार्टी इस मुद्दे को गांव से लेकर विधानसभा और संसद तक मजबूती से उठाएगी तथा जनहित और पर्यावरण संरक्षण की लड़ाई लगातार जारी रखेगी।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज के बाहर 18 अवैध एम्बुलेंस सीज

मरीजों को निजी अस्पतालों में भेजने और अवैध वसूली की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई, हिरासत में पांच चालक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के आसपास सक्रिय अवैध एम्बुलेंस नेटवर्क के खिलाफ गोरखपुर पुलिस ने शनिवार रात बड़ा अभियान चलाते हुए 18 एम्बुलेंस सीज कर दीं। कार्रवाई के दौरान पांच चालकों को हिरासत में लेकर गुलरिहा थाने में पूछताछ की जा रही है। पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध एम्बुलेंस संचालकों में हड़कंप मच गया। पुलिस को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि मेडिकल कॉलेज पहुंचने वाले मरीजों और उनके परिजनों को कुछ निजी एम्बुलेंस चालक बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में भर्ती कराते हैं और इसके बदले कमीशन लेते हैं। साथ ही मरीजों से मनमाना किराया वसूलने और नियमों की अनदेखी कर एम्बुलेंस संचालन की शिकायतें भी सामने आ रही थीं। इन्हीं शिकायतों के आधार पर विशेष अभियान चलाया गया। एसपी सिटी निमिष पाटिल, सीओ गोरखनाथ रवि सिंह तथा थाना

गुलरिहा पुलिस की संयुक्त टीम ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज के आसपास देर रात सघन चेकिंग अभियान चलाया। पुलिस को देखकर कई एम्बुलेंस चालक वाहन छोड़कर भागने लगे, लेकिन पुलिस ने पीछा कर कुछ चालकों को पकड़ लिया। अभियान के दौरान सड़क किनारे खड़ी कई एम्बुलेंस संदिग्ध हालत में मिलीं, जिन्हें कब्जे में लेकर थाने लाया गया। जांच में कई वाहनों के पास वैध पंजीकरण, फिटनेस, बीमा, परमिट और अन्य आवश्यक दस्तावेज नहीं मिले। कुछ एम्बुलेंस किसी मान्यता प्राप्त अस्पताल से संबद्ध भी नहीं थीं। नियमों के उल्लंघन पाए जाने पर पुलिस ने 18 एम्बुलेंस को सीज कर उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मरीजों और तीमारदारों का आर्थिक शोषण किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सभी एम्बुलेंस संचालकों को परिवहन विभाग और शासन द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य है। फर्जी दस्तावेज, अवैध संचालन या मरीजों से मनमानी वसूली करने वालों के खिलाफ आगे भी लगातार अभियान जारी रहेगा। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई एम्बुलेंस चालक अवैध वसूली करता है या मरीजों को गुमराह कर निजी अस्पतालों में ले जाने का प्रयास करता है, तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस कार्रवाई को बीआरडी मेडिकल कॉलेज परिसर में व्यवस्था सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

गोंडा में एफएसडीए की बड़ी कार्रवाई, तीन अवैध गोदामों से 1.13 करोड़ रुपये की दवाएं सीज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/गोंडा। उत्तर प्रदेश में अवैध और नशीली दवाओं के कारोबार पर शिकंजा कसते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने गोंडा जिले में बड़ी कार्रवाई की है। तीन दिनों तक चले संयुक्त अभियान में बिना लाइसेंस संचालित तीन अवैध गोदामों पर छापेमारी कर करीब 1.13 करोड़ रुपये मूल्य की एलोपैथिक एवं नारकोटिक्स श्रेणी की दवाएं जब्त की गईं। मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि मुख्य आरोपी फरार है। एफएसडीए मुख्यालय, लखनऊ के निर्देशन में 16 से 18 जुलाई तक गोंडा के बरियार पुरवा, सोनार गली और बड़गांव क्षेत्र में नौ जनपदों के औषधि निरीक्षकों तथा स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने लगातार अभियान चलाया। कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की गई। जांच के दौरान गोंडा-बलरामपुर रोड स्थित अमन फार्मास्युटिकल्स निर्धारित पते पर संचालित नहीं मिली। पूछताछ के बाद टीम संचालक अमन कसौधन के घर पहुंची, जहां उसके भाई शिवम कसौधन ने स्वीकार किया कि दोनों भाई बिना किसी वैध औषधि लाइसेंस के बरियार पुरवा स्थित गोदामों से दवाओं का कारोबार कर रहे हैं। जांच के दौरान दो अन्य अवैध गोदामों का भी पता चला, जहां से बड़े पैमाने पर दवाओं का भंडारण किया गया था। छापेमारी के दौरान संचालक दवाओं के खरीद-बिक्री से संबंधित कोई वैध दस्तावेज, बिल या स्टॉक रजिस्टर प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद टीम ने गोदामों में रखी समस्त दवाओं को सीज कर दिया। कार्रवाई में कोडीन फॉस्फेट सिरप, ट्रामाडोल इंजेक्शन, अल्प्राजोलम टैबलेट, ट्रामाडोल, सेम्प्लेक्स, प्रोक्सीफास और अन्य मनःप्रभावी दवाओं का भारी जखीरा बरामद हुआ। जब्त दवाओं का अनुमानित मूल्य 1 करोड़ 13 लाख रुपये आंका गया है। इसके अलावा 19 औषधियों के नमूने जांच के लिए राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद दोषियों के खिलाफ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के तहत भी कार्रवाई की जाएगी। मौके से पुलिस ने शिवम कसौधन को गिरफ्तार कर लिया, जबकि मुख्य आरोपी अमन कसौधन फरार हो गया। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। एफएसडीए अधिकारियों ने बताया कि अवैध रूप से नशीली दवाओं का कारोबार कर युवाओं में नशे को बढ़ावा देने के गंभीर आरोपों के चलते आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम, 1985 की धारा 8/21 के तहत गोंडा के कोतवाली नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में नकली, अवैध और नशीली दवाओं के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और ऐसे कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

मड़ियांव पुलिस का बड़ा खुलासा, पांच शातिर चोर दबोचे, लाखों का माल बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के मड़ियांव थाना क्षेत्र में बंद मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाले पांच शातिर चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर एक सक्रिय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लाखों रुपये कीमत का चोरी का सामान, जिसमें लैपटॉप, आईपैड, मोबाइल फोन, चांदी की पायल, कलाई घड़ियां समेत अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं, बरामद की हैं। इसके अलावा चोरी की वारदातों में इस्तेमाल किया जाने वाला ई-रिक्शा भी पुलिस ने जब्त कर लिया है। मड़ियांव थाना प्रभारी निरीक्षक शिवानंद मिश्रा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए हर्ष, कृष्णा, सुमित, अभिषेक और राजा को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह बेहद शातिर तरीके से चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। आरोपी दिन के समय ई-रिक्शा से विभिन्न कॉलोनियों और मोहल्लों में घूमकर बंद पड़े मकानों की रेकी करते थे। जब यह सुनिश्चित हो जाता था कि मकान में कोई मौजूद नहीं है, तब रात के समय या सुनसान अवसर का फायदा उठाकर चोरी की घटना को अंजाम देते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरोह ने लखनऊ के कई थाना क्षेत्रों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया है। हाल ही में मड़ियांव थाना क्षेत्र स्थित रामलीला मैदान के पास एक बंद मकान में हुई चोरी की घटना का भी खुलासा इन्हीं आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद हुआ है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने कई अन्य वारदातों में अपनी संलिप्तता भी स्वीकार की है। थाना प्रभारी शिवानंद मिश्रा ने बताया कि चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए पुलिस लगातार सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही थी। कई दिनों की पड़ताल के बाद संदिग्धों की पहचान की गई और मुखबिर की सूचना पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी का सामान भी बरामद किया गया। पुलिस के अनुसार, बरामद सामान में लैपटॉप, आईपैड, कई महंगे मोबाइल फोन, चांदी की पायल, कलाई घड़ियां तथा अन्य कीमती वस्तुएं शामिल हैं। बरामद सामान की पहचान कर उसे उसके वास्तविक मालिकों को लौटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि आरोपी चोरी के सामान को कम कीमत पर बेचकर आसानी से पैसा कमाने की फिराक में रहते थे। पुलिस अब यह भी पता लगाने में जुटी है कि चोरी का सामान खरीदने वाले लोग कौन हैं और इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्य अभी फरार तो नहीं हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। यदि इनके खिलाफ पहले भी विभिन्न थानों में मुकदमे दर्ज मिले तो उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बुजुर्गों के आदर्शों पर चलकर ही बन सकते हैं अच्छे इंसानः हाफ़िज़ सैय्यद शारिक किरमानी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खैराबाद, सीतापुर। स्थानीय दरगाह हज़रत मकबूल मियां में स्थित दादा मियां की मस्जिद में नमाज़ के दौरान उपस्थिति लोगों को संबोधित करते हुए मस्जिद दादा मियां के पेश इमाम हाफ़िज़ सैय्यद शारिक किरमानी ने कहा कि आज समाज में हर तरफ़ मन मुटाव और आपसी झगड़े बढ़ते जा रहे हैं उसकी असल वजह यह है कि हमने अपने बुजुर्गों के आदर्शों पर चलना छोड़ दिया है और उनकी शिक्षाओं को नज़र अंदाज़ कर रखा है उस पर हमारी कोई तवज्जेह ही नहीं है बस एक दूसरे का विरोध एक दूसरे की बुराई में लगे रहते हैं अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा भी नहीं दिलवाने की कोशिश करते और हमारे नौजवान और छोटे बच्चों का हाल यह है कि जो पढ़ाई का वक्त होता है उसमें मोबाइल चलाना और देर रात तक सड़कों के किनारे बैठ कर दुनिया की तमाम खुराफात में अपने को शामिल करना जैसे फैशन समझ लिया है रात में देर से सोना और सुबह देर से उठना अपनी जीविका बना लिया है इसी वजह से हम किसी भी क्षेत्र में कामियाब नहीं हो पा रहे हैं। श्री किरमानी ने आगे कहा कि अल्लाह और उसके रसूल के बताए नियमों का पालन करें और औलिया अल्लाह से मोहब्बत करें, नमाज़ की पाबन्दी करें तथा बड़ों को चाहिए कि अपने छोटों से प्यार और मोहब्बत से पेश आएं और छोटों को चाहिए कि अपने बड़ों का आदर और सम्मान करें तभी हमारी तरक्की हो सकती है। क्योंकि यही शिक्षा हमारे और आपके आका हुज़ूर अकरम मोहम्मद मुस्तफा साहब ने दुनिया में दी थी जिसका पालन हमें और आपको करना चाहिए।

लखनऊ में AI in Action सेमिनार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य और चुनौतियों पर हुआ मंथन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तर प्रदेश स्टेट सेंटर, लखनऊ की ओर से शनिवार को इंजीनियर्स भवन, रिवर बैंक कॉलोनी में AI in Action: From Concepts to Reality विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) के सिद्धांतों, व्यावहारिक उपयोग, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रशासन और भविष्य की तकनीकी संभावनाओं पर विशेषज्ञों ने विस्तार से विचार साझा किए। कार्यक्रम में शिक्षाविदों, अभियंताओं, शोधार्थियों और विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नवीनतम विकास, व्यावहारिक अनुप्रयोगों, लाभ, चुनौतियों और जिम्मेदार उपयोग पर जानकारी प्राप्त की। सेमिनार की अध्यक्षता आईईआई उत्तर प्रदेश स्टेट सेंटर के पूर्व अध्यक्ष इं. मसर्रत नूर खान ने की। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब केवल एक अवधारणा नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, परिवहन और प्रशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में बदलाव का प्रमुख माध्यम बन चुकी है। उन्होंने युवाओं और अभियंताओं से AI तकनीकों के सुरक्षित, नैतिक और जिम्मेदार उपयोग पर विशेष बल दिया। मुख्य वक्ता डॉ. उपेंद्र कुमार, सहायक प्रोफेसर, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग, आईईटी लखनऊ ने कहा कि AI भविष्य की अर्थव्यवस्था और उद्योग की आधारशिला बन चुका है। उन्होंने मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग, जनरेटिव्ढ्ढ और स्मार्ट ऑटोमेशन के व्यावहारिक उपयोगों पर विस्तार से प्रकाश डाला। लखनऊ विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. शोभित मणि तिवारी ने कहा कि AI शिक्षा, अनुसंधान और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर रहा है। वहीं, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पवन कुमार चौरसिया ने जनरेटिव AI, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, साइबर सुरक्षा और डिजिटल नवाचार में AI की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। सेमिनार के संयोजक डॉ. प्रवीण कुमार शुक्ला ने कहा कि AI के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों को समाज, शिक्षा और उद्योग से जोड़ना समय की आवश्यकता है, ताकि तकनीक का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच सके। कार्यक्रम के अंत में आईईआई उत्तर प्रदेश स्टेट सेंटर के मानद सचिव इं. एन.के. निषाद ने सभी वक्ताओं, अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त करते हुए सफल आयोजन के लिए सभी के सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सेमिनार तकनीकी ज्ञान के प्रसार और युवाओं को नई तकनीकों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बारिश में ब्राह्मणी टोला की सड़क बन जाती है तालाब, वर्षों से जलभराव की समस्या से जूझ रहे लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिसवां/सीतापुर। नगर में हर बार बारिश होते ही उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के सामने स्थित ब्राह्मणी टोला की सड़क तालाब का रूप ले लेती है। जलनिकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण सड़क पर पानी भर जाता है, जिससे स्थानीय लोगों, राहगीरों और स्कूली बच्चों का आवागमन बाधित हो जाता है। वर्षों से चली आ रही इस समस्या का आज तक स्थायी समाधान नहीं हो सका है। क्षेत्रीय नागरिकों बच्चू अवस्थी, संतोष गुप्ता, सरोज शाह, विकास शाह, शिवकुमार, विभव अवस्थी, फिरोज, अनमोल गुप्ता, रामजी मिश्रा, श्यामजी मिश्रा आदि का कहना है कि बरसात के मौसम में यह समस्या हर वर्ष उत्पन्न होती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। जलभराव के कारण लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है और छोटे बच्चों को विद्यालय आने-जाने में काफी असुविधा होती है। सड़क पर पानी भरा रहने से दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है।इसी मार्ग से नगर के दो प्रमुख विद्यालयों का आवागमन भी होता है। बारिश के दौरान जलभराव होने से इन विद्यालयों में अध्ययनरत छोटे-छोटे बच्चों को प्रतिदिन पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे अभिभावकों की चिंता भी बढ़ जाती है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि इस समस्या को लेकर कई बार नगर पालिका प्रशासन से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से शीघ्र स्थायी जलनिकासी व्यवस्था कराए जाने की मांग की है, ताकि हर वर्ष बरसात में होने वाली इस समस्या से लोगों को राहत मिल सके।

संक्षिप्त खबरें

हर परिषदीय विद्यालय में लगेंगे निपुण लक्ष्य पोस्टर, 31 जुलाई तक पूरा होगा अभियान

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग ने निपुण भारत मिशन के तहत 31 जुलाई तक सभी परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में बालवाटिका से कक्षा-5 तक के निपुण लक्ष्य पोस्टर अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए हैं। पोस्टर बीआरसी, बीएसए कार्यालय और डायट में भी लगाए जाएंगे। विभाग के अनुसार, पोस्टरों के माध्यम से कक्षा-वार अधिगम लक्ष्यों को दैनिक शिक्षण का हिस्सा बनाया जाएगा। इनके प्रदर्शन को निरीक्षण व्यवस्था और सपोर्टिव सुपरविजन ऐप से भी जोड़ा जाएगा। शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी निपुण लक्ष्यों पर विशेष जोर दिया जाएगा। महानिदेशक स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि निपुण लक्ष्य प्रत्येक बच्चे की सीखने की प्रगति का स्पष्ट मानक हैं। इनके अनुरूप शिक्षण से विद्यार्थियों का बेहतर मूल्यांकन और आवश्यक शैक्षणिक सहयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

सस्टेनेबल सिटी चैलेंज से काशी में आधुनिक शहरी प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा

लखनऊ/वाराणसी। काशी की ऐतिहासिक विरासत को संरक्षित रखते हुए भीड़ प्रबंधन और सतत शहरी परिवहन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से वाराणसी में 'सस्टेनेबल सिटी चैलेंज' कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि काशी की सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखते हुए आधुनिक मोबिलिटी और स्मार्ट शहरी प्रबंधन विकसित करना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काशी में अभूतपूर्व विकास हुआ है, जिससे पर्यटकों और श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ी है। ऐसे में आधुनिक तकनीक, डेटा आधारित प्रबंधन और नवाचार के माध्यम से भीड़ प्रबंधन एवं यातायात व्यवस्था को और प्रभावी बनाया जाएगा। कार्यक्रम में मंडलायुक्त एस. राजलिंगम और नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने कहा कि बनारस की तंग गलियों और बढ़ती आबादी को देखते हुए विरासत संरक्षण के साथ आधुनिक शहरी प्रबंधन का संतुलित मॉडल विकसित करना आवश्यक है।

आदर्श नगर पंचायत तंबौर की मुख्य सड़क बनी खेत

धान की रोपाई कर स्थानीय लोगों ने किया अनोखा विरोध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तंबौर सीतापुर। सीतापुर जनपद के कस्बा तंबौर में बदहाल सड़क से परेशान स्थानीय लोगों का गुस्सा आख़िरकार फूट पड़ा विरोध का तरीका ऐसा जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया लोगों ने सड़क को ही खेत बना दिया और बीच सड़क पर ही धान की रोपाई शुरू कर दी तथा स्थानीय लोगों का सवाल यह भी है कि आखिरकार शिकायतों के बाद भी जिम्मेदार क्यों नहीं जागे तस्वीर में सीतापुर जनपद के आदर्श नगर पंचायत तंबौर के अहमदाबाद वार्ड पूर्वी की है जहां पर सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि सड़क और खेत में फ़र्क करना मुश्किल हो गया है। जगह जगह पर गहरे गड्ढे जल भराव और कीचड़ ने लोगों का जीना दुभर कर दिया है राहगीरों, स्कूली बच्चों, स्थानीय लोगों को रोज़ भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार नगर पंचायत वा जिम्मेदार अधिकारियों से सड़क की मम्मत की मांग की लेकिन हर बार सिर्फ़ आश्वाशन ही मिला जब कोई सुनवाई नहीं हुई तो लोगों ने अनोखा विरोध करने का फैसला कर लिया स्थानीय मुख्य सड़क पर धान पौध लेकर पहुंचे और वहीं पर रोपाई शुरू कर दी देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी संख्या में भीड़ जमा हो गई और यह विरोध चर्चा का विषय बन गया स्थानीय लोगों का साफ़ तौर पर कहना है। कि अगर जल्द सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो आंदोलन करने पर हम लोग बाध्य होंगे लोगों का यह भी कहना है कि वर्षों से बदहाल सड़क की वजह से दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस और ध्यान नहीं दे रहे हैं यह विरोध एक सड़क का मुद्दा नही बल्कि व्यवस्था की अनदेखी के खिलाफ जनता की नाराजगी का प्रतीक बन चुका है अब देखना होगा इस अनोखे प्रदर्शन के बाद प्रशासन हरकत में आएगा या फिर लोगों को अपने अधिकारों के लिए ऐसे ही सड़क पर उतरना पड़ेगा स्थानीय नागरिक अकीब अंसारी का कहना है पिछले हफ्ते प्रार्थना पत्र अधिशासी अधिकारी को दिया गया था जिस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई यह समस्या लगभग एक महीने से जस की तस बनी हुई है इस मौके पर आकिब अंसारी, अतहर अंसारी, रिजवान, सोनू, इरफान, इमरान, मंसूर अंसारी समेत बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल रहे।

औद्योगिक निवेश को मिलेगी नई रफ्तार, उद्यमी मित्र नेटवर्क के विस्तार के लिए भर्ती परीक्षा आयोजित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में इन्वेस्ट यूपी ने मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना के तहत 25 अतिरिक्त उद्यमी मित्रों की भर्ती के लिए रविवार को लिखित परीक्षा आयोजित की। इस पहल का उद्देश्य राज्य में निवेश परियोजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारना, निवेशकों को बेहतर सुविधा प्रदान करना तथा ईज ऑफ डूइंग बिजनेस (Ease of Doing Business) व्यवस्था को और मजबूत बनाना है। यह परीक्षा लखनऊ के जानकीपुरम स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आईईटी) में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) के सहयोग से संपन्न हुई। परीक्षा के लिए 752 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 438 अभ्यर्थी शामिल हुए। ओएमआर आधारित 90 मिनट की परीक्षा में कुल 75 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए, जिनके लिए 300 अंक निर्धारित थे। प्रत्येक गलत उत्तर पर एक अंक की निगेटिव मार्किंग का प्रावधान रखा गया। प्रश्नपत्र में कंप्यूटर कौशल एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की आधारभूत जानकारी, तार्किक क्षमता तथा उत्तर प्रदेश की औद्योगिक एवं निवेश नीतियों से संबंधित प्रश्न शामिल थे। परीक्षा की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए इन्वेस्ट यूपी ने विशेष समिति का गठन किया था, जिसकी निगरानी में पूरी भर्ती प्रक्रिया संपन्न हुई। गौरतलब है कि जनवरी 2023 में 105 पदों के साथ शुरू की गई मुख्यमंत्री उद्यमी मित्र योजना आज राज्य के निवेश तंत्र का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। उद्यमी मित्र निवेशकों के लिए सिंगल पॉइंट ऑफ कॉन्टैक्ट के रूप में कार्य करते हैं और विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर निवेश परियोजनाओं की स्वीकृतियों को गति देने, प्रशासनिक व कानूनी बाधाओं को दूर करने तथा परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से लागू कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन्वेस्ट यूपी का मानना है कि उद्यमी मित्र नेटवर्क के विस्तार से निवेश परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी, रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और उत्तर प्रदेश को देश के सबसे आकर्षक निवेश गंतव्यों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण मदद मिलेगी।

जंतर मंतर पर भूख हड़ताल को लेकर शहीद पार्क पर बरसात के चलते दूसरे दिन भी क्रमिक अनशन रहा जारी

बिसवां सीतापुर। प्रसिद्ध पर्यावरण विद सोनम वांगचुक द्वारा पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर जंतर मंतर पर भूख हड़ताल को लेकर उनके समर्थन में शहीद पार्क पर दूसरे

दिन बरसात के बावजूद भी क्रमिक अनशन जारी रहा। जिसमे समर्थन देने के लिए सपा राष्ट्रीय प्रवक्ता दिग्विजय सिंह देव ने भी क्रमिक अनशन पर अपनी सहभागिता की।क्रमिक अनशन पर अश्वनी कुमार त्रिपाठी,इंद्रपाल वर्मा,षिक्षिज मिश्रा, अनुग्रह गुप्ता,अनवर हबीब,माज शब्बीर ने भी अपनी सहभागिता दी।

वाराणसी में 76 दिवसीय वार्ड प्रवास अभियान शुरू जनप्रतिनिधि

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ/वाराणसी। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने रविवार को वाराणसी के शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र स्थित सूरजकुंड से 76 दिवसीय वार्ड प्रवास कार्यक्रम का शुभारंभ किया। यह अभियान 2 अक्टूबर तक चलेगा, जिसके तहत जनप्रतिनिधि वार्डों में पहुंचकर नागरिकों से संवाद करेंगे, जनसमस्याओं का समाधान करेंगे और स्वच्छता सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंपर्क और जनसेवा के विजन को घर-घर तक पहुंचाने का माध्यम बनेगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप दिया है। प्रधानमंत्री ने स्वयं काशी की गलियों में झाड़ू लगाकर पूरे देश को स्वच्छता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में काशी ने अभूतपूर्व विकास देखा है। काशी विश्वनाथ धाम, नमो घाट, रिंग रोड, अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, रोपवे और बनास डेयरी जैसी परियोजनाएं इसकी मिसाल हैं। उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन एलिवेटेड कॉरिडोर देश के लिए एक मॉडल परियोजना साबित होगा। मंत्री ने कहा कि वार्ड प्रवास कार्यक्रम केवल स्वच्छता अभियान नहीं, बल्कि जनता से सीधे संवाद स्थापित करने की पहल है। इसके माध्यम से लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने के साथ स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई जाएगी। शहर दक्षिणी के विधायक नीलकंठ तिवारी ने बताया कि अभियान के दौरान सभी वार्डों में जनसंपर्क के साथ लाभार्थी शिविर, चिकित्सा शिविर, वृक्षारोपण और विभिन्न जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभियान का उद्देश्य 'स्वच्छ काशी, सुंदर काशी' के संकल्प को जनभागीदारी के माध्यम से साकार करना है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, पार्टी पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर स्वच्छ, सुंदर और विकसित काशी के निर्माण का संकल्प दोहराया।

युवाओं और किसानों को मिलेगा फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण, बढ़ेंगे रोजगार और स्वरोजगार के अवसर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं, युवतियों और किसानों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से खाद्य प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) क्षेत्र में व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चला रही है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केंद्रों और सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्रों पर इच्छुक अभ्यर्थियों को आधुनिक तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप समयबद्ध तरीके से प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही प्रशिक्षण की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने और प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं एवं किसानों को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के प्रभावी प्रयास करने को कहा गया है। विभाग के अनुसार, प्रशिक्षण पूरा करने के बाद प्रशिक्षार्थी फूड प्रोसेसिंग से जुड़ी अपनी इकाई स्थापित कर स्वरोजगार शुरू कर सकेंगे। इसके साथ ही उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं के तहत अनुदान और अन्य सुविधाओं का लाभ भी मिलेगा, जिससे उनकी आय में वृद्धि होगी। खाद्य प्रसंस्करण विभाग ने आगरा, अलीगढ़, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, कानपुर, झांसी, प्रयागराज, वाराणसी, अयोध्या और गोरखपुर स्थित राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केंद्रों के प्रधानाचार्यों तथा मिर्जापुर, देवीपाटन, बस्ती, आजमगढ़, सहारनपुर, चित्रकूट धाम और लखनऊ के संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित रोस्टर के अनुसार समय से पूरा कराने के निर्देश दिए हैं।

संपादकीय

दवा न बने दारू

सार्वजनिक विमर्श में लंबे समय से मांग की जाती रही है कि ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली दवाओं का सख्ती से नियमन किया जाए। दरअसल, नशे की लत छुड़ाने के प्रयासों के दौरान इन दवाओं का दुरुपयोग किया जाता रहा है। साथ ही जिन राज्यों में नशाबंदी लागू है, वहां भी उनके गलत इस्तेमाल की शिकायतें मिलती रही हैं। ऐसे में केंद्र सरकार का ज्यादा अल्कोहल की मात्रा वाली पीने वाली दवाइयों व सिरप की बिक्री पर सख्ती करने का फैसला, एक जरूरी सुधार है। निश्चय ही इस कदम से लंबे समय से इन दवाइयों के गलत इस्तेमाल की प्रवृत्ति पर रोक लग सकेगी। दरअसल, 12 प्रतिशत से ज्यादा एथिल अल्कोहल मात्रा के साथ बड़ी बोतल में मिलने वाली दवाइयों के लिये अब लाइसेंस, डॉक्टर की पर्ची और रिकॉर्ड रखने के नियम कड़े करके सरकार ने जरूरी पहल की है। आखिरकार सरकार ने उस सच्चाई को स्वीकार कर लिया है, जिसे रेगुलेटर लंबे समय से नजरअंदाज कर रहे थे। यह हकीकत है कि इन दवाओं का नियमन व निगरानी कायदे की न होने से ये दवाएं नशा करने का जरिया भी बन रही थीं। निश्चित रूप से ये नये नियम मरीजों की दवा तक पहुंच और जन-सुरक्षा के बीच समझदारी भरा संतुलन बनाते हैं। इसका मतलब ये है कि जिन्हें वास्तव में इन दवाइयों की जरूरत है, उन्हें ये दवाइयां डॉक्टर की देखरेख में सहज उपलब्ध हो सकेंगी। वहीं दूसरी ओर इन दवाइयों का दुरुपयोग गलत कार्य के लिये करने वालों की इन तक पहुंच मुश्किल हो जाएगी। निश्चय ही यह वक्त की जरूरत थी क्योंकि किशोर और नशे की लत से जूझ रहे लोग अक्सर ऐसी दवाइयों को शराब के सस्ते विकल्प के तौर पर इस्तेमाल करने लगते हैं। जनमानस में उपचार के लिये आम बोलचाल में प्रचलित शब्द 'दवा-दारू', वास्तव में ऐसे नशेड़ियों के लिये नशे का मौका उपलब्ध कराने का जरिया बन जाता था। इस पर अंकुश लगाना निश्चिय ही स्वागत योग्य कदम है। दरअसल, एम्स दिल्ली के नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर ने नशीले पदार्थों की लत छुड़ाने के लिये इलाज करा रहे लोगों के बीच इन दवाइयों व कफ सिरफ आदि के अनुचित इस्तेमाल का पर्याप्त रिकॉर्ड रखा है। इतना ही नहीं, जन स्वास्थ्य से जुड़े कई अंतर्राष्ट्रीय संगठन भी इस बाबत चिंता जाहिर कर चुके हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो बाकायदा चेतावनी दी है कि जिन जगहों पर सामान्य शराब महंगी होती है या नशाबंदी लागू होने से आसानी से उपलब्ध नहीं होती है, वहां अधिक अल्कोहल वाली दवाइयों के दुरुपयोग की लगातार संभावना बनी रहती है। जो इस बात की ओर स्पष्ट संकेत करता है कि जैसे-जैसे नशीले पदार्थों के रूप में दवाइयों का दुरुपयोग बढ़ता है, वैसे-वैसे ही नियमों में बदलाव करना अपरिहार्य हो जाता है। बहरहाल, कागजों पर नियम बना देना तो मात्र एक शुरुआत भर है। सबसे जरूरी है कि इन नियमों को सख्ती से लागू किया जाए। साथ ही निगरानी तंत्र को भी मजबूत बनाने की जरूरत है। ऐसे में आवश्यक हो जाता है कि नियमों को तोड़कर दवा के दुरुपयोग की कोशिश करने वालों की निगरानी के लिये ड्रग इंस्पेक्टरों की पर्याप्त संख्या हो। इसके अलावा फार्मेसियों को भी इस बाबत जवाबदेह बनाना जरूरी हो जाता है। जिसके लिये ऐसी दवाइयों की बिक्री के रिकॉर्ड को डिजिटल करना भी आवश्यक है ताकि नियामक तंत्र इनकी बिक्री की निगरानी कर सके। निस्संदेह, डॉक्टरों का भी नैतिक दायित्व है कि वे जरूरतमंद लोगों को ये दवाइयां सोच-समझकर ही लिखें। साथ ही इससे होने वाले खतरों के बारे में भी मरीजों को अवगत कराएं। इन बोतलों पर दवा का लेबल लगाने का अंतिम निष्कर्ष यह नहीं है कि वे पूरी तरह से सुरक्षित हैं। बहरहाल, नियमों में बदलाव सरकार की एक बुनियादी जिम्मेदारी को ही दर्शाता है। जो यह सुनिश्चित करने का प्रयास है कि इलाज के लिए उपयोग होने वाले उत्पादों से लोगों को फायदा ही हो, नुकसान नहीं। निस्संदेह, सरकार ने सही दिशा में कदम उठाया है। अब इस नियम को सख्ती से लागू करने का पक्का इरादा भी दिखाना होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो इस रोग का पूरा इलाज नहीं हो पायेगा।

मेष राशि- इस राशि के जातकों के लिए वर्तमान समय साढ़ेसाती के प्रथम चरण का संकेत दे रहा है। इस अवधि में आपके व्यय में आकस्मिक वृद्धि होने की संभावना है। आपके दैनिक और व्यावसायिक कार्य अपेक्षा से कुछ धीमी गति से आगे बढ़ेंगे। किसी भी नए उद्यम अथवा कार्य की शुरुआत करने में जल्दबाजी करने से बचें।

वृषभ राशि- इस राशि के लोगों के लिए यह समय कठिन परिश्रम करने का है। आजीविका और कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे आपकी स्थिति सुदृढ़ होगी। धन से जुड़े मामलों में कोई भी निर्णय लेने से पहले गहन विचार करना आपके लिए हितकर रहेगा।

मिथुन राशि-कार्यस्थल और व्यापार में आपको कुछ नए उत्तरदायित्व सौंपे जा सकते हैं। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों और मार्गदर्शकों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। किसी भी नई योजना को धरातल पर उतारने से पहले उसकी पूरी रूपरेखा तैयार कर लें, जिससे सफलता की संभावना बढ़ जाएगी।

कर्क राशि- इस राशि के जातकों के लिए आने वाला समय सामान्य रूप से फलदायी रहेगा। पारिवारिक जीवन और कार्यक्षेत्र के बीच उचित तालमेल बनाए रखना इस समय आपके लिए अत्यंत आवश्यक होगा।

सिंह राशि- आपकी राशि पर वर्तमान समय में ढैया का प्रभाव बना हुआ है। इसके कारण आपको अपने स्वास्थ्य और बढ़ते खर्चों पर विशेष नियंत्रण रखने की आवश्यकता होगी। नौकरी अथवा व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अतिरिक्त श्रम करना पड़ सकता है।

कन्या राशि- व्यापारिक साझेदारी और आपसी संबंधों में अत्यंत समझदारी से काम लेने की आवश्यकता है। किसी भी महत्वपूर्ण दस्तावेज अथवा अनुबंध पर हस्ताक्षर करने से पहले उसे पूरी तरह से पढ़ और समझ लें। इस समय की गई छोटी सी असावधानी भी भविष्य में आपकी चिंताएं बढ़ा सकती है।

तुला राशि: आपके दैनिक कार्यों में व्यस्तता काफी अधिक रहने वाली है। समय का उचित नियोजन और प्रबंधन करने से आपके कई जटिल कार्य भी सुगमता से संपन्न हो जाएंगे। व्यस्तता के बीच अपने स्वास्थ्य और खानपान की आदतों पर ध्यान देना आपके लिए अनिवार्य रहेगा।

वृश्चिक राशि: लंबे समय से रुके हुए अथवा अटके हुए कार्यों के पुनः गति पकड़ने की प्रबल संभावना है। आर्थिक विषयों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की जल्दबाजी करने से बचें।

धनु राशि: इस राशि के जातकों पर ढैया का प्रभाव देखा जा रहा है। इसके फलस्वरूप घरेलू और पारिवारिक जिम्मेदारियों का बोझ आपके कंधों पर बढ़ सकता है। भूमि, भवन अथवा पैतृक संपत्ति से जुड़े मामलों में सोच-समझकर ही कोई कदम उठाएं।

मकर राशि- यह समय पूरी लगन और निष्ठा के साथ जीवन में आगे बढ़ने का है। इस दौरान की गई छोटी यात्राएं और नए लोगों से बढ़ाए गए संपर्क भविष्य में आपके लिए उन्नति के मार्ग खोल सकते हैं। किसी से भी बातचीत करते समय अपनी वाणी और व्यवहार पर संयम बनाए रखें।

कुंभ राशि: इस राशि के जातकों के लिए साढ़ेसाती का अंतिम चरण चल रहा है। विगत कई दिनों से चली आ रही मानसिक और व्यावहारिक परेशानियां अब धीरे-धीरे समाप्त होने लगेंगी।

मीन राशि: आपकी राशि पर इस समय साढ़ेसाती का दूसरा चरण प्रभावी है। इसके प्रभाव से आपके ऊपर कार्य और उत्तरदायित्वों का भार पहले की तुलना में अधिक बढ़ सकता है। मानसिक दबाव का अनुभव हो सकता है, परंतु निरंतर प्रयासरत रहने वाले लोगों को अंततः उत्तम परिणाम ही प्राप्त होंगे। परिवार के सदस्यों और अपनी सेहत दोनों पर समान रूप से ध्यान देना आपके लिए आवश्यक है।

गाजियाबाद के मुरादनगर में विपक्षियों पर गरजें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

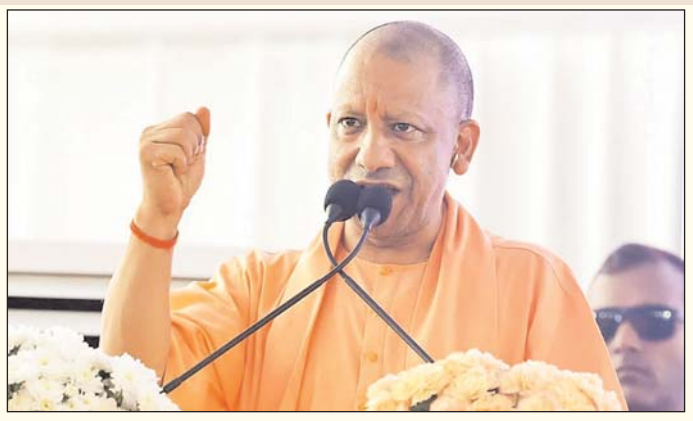

प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर एवं मोदीनगर विधान सभा क्षेत्रों में ?868 करोड़ से अधिक लागत की 90 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण / शिलान्यास भी किया और गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में पंहुच कर के कांवड़ यात्रा की तैयारियों के लिए बैठक करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिढ़ होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 17 जुलाई 2026 की सांय लगभग 4.30 बजे मुरादनगर के 'तेजपाल सिंह त्यागी कुशल पाल त्यागी मेमोरियल डिग्री कॉलेज' में पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की प्रतिमा का अनावरण किया। भारतीय जनता पार्टी के मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने अपने पिता की स्वर्णिम अनमोल यादों को संजोने के लिए एक भव्य अनावरण समारोह का आयोजन किया। प्रतिमा अनावरण के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद गाजियाबाद के मुरादनगर एवं मोदीनगर विधान सभा क्षेत्रों में ?868 करोड़ से अधिक लागत की 90 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण / शिलान्यास भी किया और गाजियाबाद कलेक्ट्रेट में पंहुच कर के कांवड़ यात्रा की तैयारियों के लिए बैठक करके अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वहां उपस्थित अपार जनसमूह को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर हमला बोलते हुए कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आज आस्था की बात कर रही हैं, इनको केसरिया रंग से ही चिढ़ होती थी। उन्होंने गाजियाबाद के संदर्भ में बोलते हुए कहा कि अब दिल्ली के ग्रोथ इंजन का काम गाजियाबाद कर रहा है। यहां आपको बता दें कि लोकप्रिय जननेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी किसी परिचय व सम्मान के मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी निर्भीक, बेबाक, जनसेवा सर्वोपरि वाली कार्यशैली के दम पर जनता की अदालत में जीवन पर्यन्त विशेष प्रेम पाते हुए विशिष्ट सम्मान प्राप्त करने का कार्य किया था। राजपाल त्यागी ने अपने द्वारा किये गये विकास कार्यों के दम पर जनता की अदालत में जीवित रहते हुए ही 'विकास पुरुष' का खिताब हासिल करने का कार्य कर लिया था, जोकि सार्वजनिक जीवन में बहुत बड़ी अनमोल उपलब्धि थी। राजपाल त्यागी ने जीवन पथ पर आम जनमानस के बीच व राजनीतिक गलियारों में अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाते हुए सफल राजनेता बनने का मुकाम बखूबी हासिल किया था, जो किसी भी राजनेता को बहुत ही मुश्किल से हासिल होता है। पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वर्गीय राजपाल त्यागी की लोकप्रिय का आलम यह था कि वह मुरादनगर विधानसभा से कांग्रेस, सपा व बसपा के टिकट के साथ-साथ निर्दलीय के रूप में छह बार विधायक चुने गए थे। 80 वर्ष की आयु में लंबी बीमारी के बाद 18 जुलाई 2025 को जब राजपाल त्यागी का निधन हो गया था, तो उस वक्त खराब मौसम व कांवड़ यात्रा में रास्ते बंद होने के बावजूद भी उनको अंतिम विदाई देने के लिए हिंडन श्मशान घाट पर भारी संख्या में जन सैलाव उमड़ पड़ा था। पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी की खूबी थी कि वह अपने राजनीतिक सफ़र में केवल चुनावों तक ही सीमित नहीं रहे, बल्कि उन्होंने जनसेवा को सर्वोपरि मानते हुए अपना जीवन क्षेत्र की जनता की सेवा के लिए समर्पित कर रखा था। उनकी सबसे बड़ी खूबी थी वह क्षेत्र के अधिकतर लोगों को नाम से जानते थे और वह अपने क्षेत्र के लोगों के सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर के आगे खड़े नज़र आते थे, कोई भी व्यक्ति जब उनकी चौखट पर किसी कार्य को लेकर आता था तो वह कभी भी निराश होकर वापस नहीं आता था। आम जनमानस के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि वह मुरादनगर क्षेत्र से निर्दलीय विधायक के रूप तक में भी चुनें जाते थे, वह एक व्यवहार कुशल, विकास पुरुष जननेता के रूप में लोगों को याद आते हैं। वह क्षेत्र में राजनीति के पुरोधा माने जाते हैं, क्षेत्र की आम जनता के बीच उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि मुरादनगर विधानसभा क्षेत्र से वह 6 बार विधायक चुने गए थे और अपनी लोकप्रियता व कार्यों के दम पर वह उत्तर सरकार में कैबिनेट मंत्री भी बने। वहीं आज के संदर्भ में अहम बात यह है कि फिलहाल मुरादनगर से भारतीय जनता पार्टी से राजपाल त्यागी के छोटे बेटे अजीत पाल त्यागी लगातार दो बार से विधायक हैं, वह भी अपने पिता राजपाल त्यागी के नक्शे कदम पर चलते हुए उनके विचारों को संजोने का कार्य बखूबी करते हुए अपने पिता की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने का कार्य भी बखूबी कर रहे हैं। प्रतिमा अनावरण के अवसर पर स्वर्गीय राजपाल त्यागी के भाई यशपाल त्यागी, पुत्र गिरीश त्यागी, पुत्र अजीत पाल त्यागी, भतीजे राजीव त्यागी व अभिषेक त्यागी व अन्य सभी परिजन, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड व पुलिस प्रशासन के आलाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं प्रतिमा अनावरण व जनसभा के कार्यक्रम में मंत्री सुनील कुमार शर्मा, मंत्री नरेंद्र कश्यप, मेयर सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष ममता बसंत त्यागी, सांसद अतुल गर्ग, सांसद राजकुमार सांगवान, विधायक मंजू सिवाच, विधायक नंद किशोर गुर्जर, विधायक संजीव शर्मा, एमएलसी दिनेश गोयल, पूर्व सांसद रमेश चंद्र तौमर, क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, जिलाध्यक्ष चैन पाल सिंह गुर्जर व बड़ी संख्या में जन प्रतिनिधि, राजनेता, भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी, क्षेत्र के गणमान्य लोगों व हजारों की संख्या में राजपाल त्यागी के प्रशंसक क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

- दीपक कुमार त्यागी

नकली रोशनी में खो रहे जुगनुओं के उजाले, पर्यावरण के लिए खतरे की घंटी

नई दिल्ली। बरसात की रातों में झाड़ियों और पेड़ों के बीच टिमटिमाते जुगनू अब महानगरों से लगभग गायब हो चुके हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि कृत्रिम रोशनी, बढ़ते प्रदूषण और प्राकृतिक आवासों के सिकुड़ने से जुगनुओं की संख्या लगातार घट रही है। इसे केवल एक जीव प्रजाति का संकट नहीं, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन बिगड़ने का गंभीर संकेत माना जा रहा है। जुगनू (फायरफ्लाई) वास्तव में भृंग (बीटल) परिवार के कीट हैं, जो बायोल्यूमिनेसेंस नामक प्राकृतिक प्रक्रिया से अपने शरीर में रोशनी पैदा करते हैं। यह चमक केवल आकर्षण का माध्यम नहीं, बल्कि उनके प्रजनन और आपसी संवाद का महत्वपूर्ण हिस्सा होती है। वैज्ञानिकों के अनुसार, जुगनू स्वस्थ पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख संकेतक हैं। जहां जुगनू मौजूद होते हैं, वहां मिट्टी, पानी और पर्यावरण अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में होता है। विशेषज्ञ बताते हैं कि शहरों में बढ़ते लाइट पॉल्यूशन ने जुगनुओं के जीवन चक्र को प्रभावित किया है। तेज कृत्रिम रोशनी के कारण नर और मादा जुगनू एक-दूसरे की चमक पहचान नहीं पाते, जिससे उनका प्रजनन प्रभावित हो रहा है और उनकी आबादी तेजी से घट रही है। इसी बीच राजधानी दिल्ली में पहली बार 'जुगनू वॉक' अभियान शुरू किया जा रहा है। 25 जुलाई से प्रकृति प्रेमियों की टीम दिल्ली के विभिन्न हरित क्षेत्रों में जुगनुओं की खोज और उनके संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाएगी। इस अभियान में शामिल होने के लिए सभी सीटें पहले ही भर चुकी हैं, जो लोगों में बढ़ती पर्यावरणीय जागरूकता का संकेत माना जा रहा है। दुनिया के कई देशों में जुगनुओं के संरक्षण को पर्यटन से भी जोड़ा गया है। जापान, मलेशिया, ताइवान और अमेरिका में फायरफ्लाई संरक्षण के साथ इको-टूरिज्म और नागरिक विज्ञान कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। भारत में भी पश्चिमी घाट और महाराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों में मानसून के दौरान जुगनुओं को देखने के लिए विशेष प्रकृति भ्रमण आयोजित किए जाते हैं। हाल ही में भारत में पहली बार 92 जुगनू प्रजातियों की सूची तैयार की गई है, जिनमें से करीब 61 प्रतिशत प्रजातियां केवल भारत में पाई जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह सूची संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। पर्यावरणविदों ने जुगनुओं के संरक्षण के लिए पार्कों में मोशन सेंसर आधारित प्रकाश व्यवस्था, कीटनाशकों के सीमित उपयोग, प्राकृतिक झाड़ियों और जल स्रोतों के संरक्षण तथा बच्चों और आम नागरिकों के लिए नेचर वॉक जैसे जागरूकता कार्यक्रम बढ़ाने की जरूरत बताई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि जुगनू केवल किताबों और तस्वीरों तक सीमित हो गए, तो यह सिर्फ एक जीव के विलुप्त होने की कहानी नहीं होगी, बल्कि प्रकृति के बिगड़ते संतुलन और पर्यावरण संरक्षण में हमारी असफलता का प्रमाण भी होगी।

गौरवपूर्ण लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा करने का अवसर

राजस्थान विधानसभा के 75 साल पर अमृत महोत्सव का आयोजन इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि दुनिया में हमारे देष की लोकतंत्र की जड़े सबसे गहरी होने के साथ ही आज भी लोकतांत्रिक मूल्यों की दृष्टि से भारत दुनिया के देषों के सामने एक मिसाल है। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल से जिस तरह से 15 जुलाई, 2026 को आयोजित अमृत महोत्सव के कार्यक्रम में विधानसभा के नए पुराने सदस्यों को एक साझा मंच उपलब्ध कराने और एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने का बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराया है वहीं उच्च सदन के सभापति उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को अमृत महोत्सव के इस कार्यक्रम में उद्घाटन सत्र और समापन सत्र में सहभागी बनाकर कार्यक्रम को और अधिक गरिमामय बनाया है। अमृत महोत्सव में राजस्थान विधानसभा के 410 नए पुराने सदस्यों ने हिस्सा लिया वहीं 6 बार या इससे अधिक समय तक सदस्य रहे सम्माननीयों का सम्मान कर लोकतांत्रिक मूल्यों का ही स्वागत सम्मान किया गया है। आज जिस तरह से विधायिका की कम बैठकों, सत्रों के दौरान हंगामें के हालात और मतभेद और मनभेद के हालातों में राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव केवल एक आयोजन ना होकर नए विधायकों के लिए प्रेरणास्पद भी हो गया है। अमृत महोत्सव के दौरान राजस्थान में सामाजिक राजनीतिक परिवर्तनकारी 24 कानूनों पर चर्चा भी की गई तो नए पुराने सदस्यों के अनुभवों को साझा करने का भी बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सका है। कार्यक्रम के दौरान उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन का रिमार्केवल प्रतिक्रिया दी कि चुनाव भले ही वोट के आधार पर जीते जाते हैं पर जनता का दिल तो लोकहितकारी कार्य करके ही जीता जा सकता है। संवैधानिक संस्थाओं की शक्ति गरिमा बनाये रखने में हैं वहीं बहस की गुणवत्ता, गंभीरता और सदन में आचरण की मर्यादा से ही संवैधानिक संस्थाएं मजबूत होती है। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला राजस्थान विधानसभा के भी सदस्य रह चुके हैं और उनका मानना रहा कि विधानसभा उनके लिए संस्कारों की पाठशाला रही है। पूर्व मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने कहा कि दुश्मनी जमकर करों पर खिड़की भी खुली रखों। इंसानियत राजनीति की लक्ष्मण रेखा से बड़ी होनी चाहिए। उन्होंने स्व. भैरोसिंह शेखावत और स्व. मोहन लाल सुखाड़िया व स्व. भैरोसिंह शेखावत व स्व. हरिदेव जोशी के बीच सदन और सदन के बाहर के संबंधों की चर्चा करते हुए कहा कि संबंधों की लक्ष्मण रेखा को नहीं लांघा जाना चाहिए। मतभेद भले ही हो पर मनभेद नहीं होना चाहिए। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर आयोजित अमृत महोत्सव में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रतिपक्ष नेता टीकाराम जूली सहित पक्ष विपक्ष के नेताओं ने खुलकर विचार रखते हुए विधायिका की कम बैठकों पर गंभीर चिंता व्यक्त की।राजस्थान विधानसभा का अमृत महोत्सव इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि सामान्यत: इस तरह के कार्यक्रम मात्र औपचारिकता बन कर रह जाते हैं पर जिस तरह से अमृत महोत्सव को लोकतंत्र के लिए उपादेय, लोकतांत्रिक मूल्यों की पुनर्स्थापना, सत्र के दौरान बहस के स्तर की गंभीरता, दलगत राजनीति से उठकर साझा मंच पर खुली चर्चा और अनुभवों का साझा करने से यह आयोजन विशिष्ठ आयोजन हो जाता है। जिस तरह से सत्रों के दौरान हंगामें के हालात बनते हैं और आपसी मतभेद और मनभेद की स्थितियां होने लगी है इस पर चिंता व्यक्त करने के साथ ही विधानसभा के पहले के सत्रों में गंभीरता, तथ्यात्मकता, गहन अध्ययन और स्तरीय बहसों के उदाहरण उद्दृत करते हुए गंभीर और स्तरीय बहस पर जोर दिया गया। यहां तक कहा गया कि हंगामें से नहीं तथ्य और तर्क व संवाद से बड़े नेता बनते हैं। लोकतंत्र की लक्ष्मण रेखा से इंसानियत की भावना पर जोर दिया गया। अमृत महोत्सव के बहाने जिस तरह से सदनों में बहस के दौरान पक्ष-विपक्ष के सदस्यों द्वारा गरिमापूर्ण, गंभीरता परक, गहन अध्ययन, आलोचना के लिए आलोचना ना होने, तथ्यपरक पक्ष रखने और गंभीर बहस से सदन की गरिमा ही बढ़ेगी और इसका लाभ लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक सुदृढ़ करने में मिल सकेगा। अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का यह कहना कि अनुभव और युवा उर्जा का समागम ही लोकतंत्र की असली पूंजी है। देखा जाए तो राजस्थान विधानसभा के अमृत उत्सव का यह आयोजन जहां लोकतंत्र की मजबूती, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही लोकतंत्र में अटूट आस्था, गौरवशाली लोकतांत्रिक आस्था का माध्यम बन गया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का यह निकश की यह आयोजन अतीत का उत्सव ही नहीं अपितु भविष्य का पथ-प्रदर्शक भी है। राजस्थान विधानसभा के इस अमृत महोत्सव पर जिस तरह से सत्रों के दौरान बहस को स्तरीय बनाने, हंगामें की भेंट नहीं चढ़ाने, गहन अध्ययन और तर्क आधारित बहस और पूरी तैयारी के साथ सदन में हिस्सा लेने पर जिस तरह का एक स्वर में संदेश दिया गया है और जिस तरह से विचारधारा और प्रतिवद्धता भिन्न होने के बावजूद मानवीय संबंधों को बनाये रखने यानी की मतभेद के बावजूद मनभेद नहीं रखने का गंभीर व संदेश दिया गया है। अमृत महोत्सव में अभी चार कार्यक्रम और होने है और कार्यक्रमों पर आमजन की निगाहें इस मायने में हैं कि सदन की गरिमा और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ ही आमनागरिकों केन्द्र में होना चाहिए। आयोजन के लिए साधुवाद इस अर्थ में महत्वपूर्ण हो जाता है कि नए सदस्यों को गरिमापूर्ण इतिहास से रुबरु होने के साथ ही वरिष्ठों के अनुभवों को भी साझा और आत्मसात करने का अवसर मिल रहा है। सही मायने में विधायी परंपरा को समझने, संसदीय मर्यादाओं, लोकतांत्रिक मूल्यों पर अनुभवों को साझा करने का अवसर मिला है।

वर्षा ऋतु में सजग जीवनशैली से रोगमुक्ति

भीषण गर्मी की तपन के बाद जब धरती पर वर्षा की शीतल फुहारें पड़ती हैं तो समूची प्रकृति नवजीवन से भर उठती है। खेत हरियाली से लहलहा उठते हैं, नदियां और सरोवर जल से भर जाते हैं। वातावरण में अद्भुत ताजगी का संचार होता है। किन्तु प्रकृति का यही मनमोहक रूप स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील भी माना गया है। आयुर्वेद के अनुसार वर्षा ऋतु केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि शरीर के भीतर होने वाले अनेक जैविक परिवर्तनों का भी समय है। यदि इस ऋतु में उचित आहार-विहार का पालन न किया जा, तो अनेक रोग पैदा हो सकते हैं।आयुर्वेद में प्रत्येक ऋतु के अनुरूप जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल दिया गया है। वर्षा ऋतु में वातावरण की नमी, सूर्य की मंद किरणें तथा दूषित जल शरीर की कार्यक्षमता को प्रभावित करते हैं। इस समय वात दोष का प्रकोप तथा पित्त का संचय होने लगता है। इसका प्रभाव जठराग्नि अर्थात् पाचन शक्ति पर पड़ता है। मंद अग्नि के कारण भोजन का समुचित पाचन नहीं हो पाता और पाचन जन्य विकार सहित अनेक प्रकार के विकार उत्पन्न होने लगते हैं। यही कारण है कि आयुर्वेद वर्षा ऋतु को रोगों की उत्पत्ति का महत्वपूर्ण काल मानता है।वर्षा के दिनों में जल स्रोतों का दूषित होना तथा वातावरण में नमी का बढ़ना शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर कर देता है। परिणामस्वरूप अजीर्ण, अतिसार, ज्वर, त्वचा रोग, सर्दी-जुकाम, खांसी, जोड़ों का दर्द तथा विभिन्न संक्रामक रोग अधिक देखने को मिलते हैं। वर्षा ऋतु में भोजन हल्का, गर्म तथा आसानी से पचने वाला होना चाहिए। जौ, गेहूं तथा पुराना चावल जैसे पुराने धान्य अपेक्षाकृत सुपाच्य माने गए हैं। मूंग की दाल इस मौसम का सर्वोत्तम आहार है क्योंकि यह हल्की होने के साथ-साथ पाचन में भी सहायक होती है। खट्टे और नमकीन रस का सीमित मात्रा में सेवन वात दोष को संतुलित करने में सहायक होता है। दही का उपयोग उचित है। पुराना शहद भी इस ऋतु में लाभकारी माना गया है क्योंकि यह कफ और आम को कम करने में सहायता करता है।पीने वाले पानी के विषय में विशेष सावधानी आवश्यक है। वर्षा के दिनों में जल आसानी से दूषित हो सकता है, इसलिए सदैव उबालकर ठंडा किया हुआ जल ही पीना चाहिए। अदरक, काली मिर्च और पिप्पली जैसे दीपनीय द्रव्य भोजन में सम्मिलित करने से पाचन शक्ति सुदृढ़ रहती है और रोगों की संभावना कम होती है। वर्षा ऋतु में केवल आहार ही नहीं बल्कि विहार अर्थात् जीवनशैली पर भी समान रूप से बल देता है। शरीर और वस्त्रों को सदैव स्वच्छ तथा शुष्क रखना चाहिए क्योंकि नमी अनेक रोगों को आमंत्रित करती है।

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उस्मान एन्क्लेव, अलीगंज-लखनऊ 226024 से प्रकाशित, सम्पादक रवि कुमार अवस्थी , मो0-9511151254
Mail: news@swatantraprabhat.com, R.NI NO. UPHIN/2012/43078 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायीं। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

बूथ मजबूत करो और पीडीए की सरकार बनाओ: कानपुर में सपा कार्यकर्ताओं की बड़ी बैठक

कानपुर। आज नवीन मार्केट स्थित समाजवादी पार्टी के महानगर कार्यालय पर एक जरूरी बैठक हुई। इस बैठक में पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, छावनी विधानसभा कमेटी और सभी फ्रंटल संगठनों के अध्यक्ष शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने की और संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव 'मिंटू' ने किया। बैठक में महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि अगर पार्टी को मजबूत करना है, तो हम सबको अपने-अपने बूथ पर डटकर काम करना होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे अपने बूथ की कमियों को देखें और उन्हें तुरंत ठीक करें। उन्होंने वोटर लिस्ट को लेकर कहा कि नए लोगों के नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाएं। इसके साथ ही, जिन लोगों के नाम दो-दो जगह हैं या जो फर्जी नाम हैं, उन्हें लिस्ट से हटवाने का काम करें ताकि चुनाव में कोई गड़बड़ी न हो सके। हाजी फजल महमूद ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि 2027 के चुनाव में अब ज्यादा समय नहीं बचा है, इसलिए अपनी पूरी ताकत लगा दीजिए। अगर हर कार्यकर्ता रोज अपने बूथ पर 2 से 3 घंटे भी दे देगा, तो आने वाले चुनाव में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार पक्का बनेगी। उन्होंने सभी साथियों से कहा कि वे अपने-अपने इलाकों में जाएं और पीडीए की बैठकें करें। उन्होंने कार्यकर्ताओं को पदयात्राएं निकालने और जनसभाएं करने को कहा, ताकि पीडीए का संदेश घर-घर तक पहुँच सके।

अवैध तमंचे के साथ युवक गिरफ्तार, भेजा गया जेल

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शनिवार को एक युवक को अवैध तमंचे के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। पुलिस के अनुसार, चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के दौरान कोतवाली क्षेत्र की सागर चौकी इंचार्ज सुमित कुमार पांडे गश्त कर रहे थे, इसी दौरान उन्होंने ग्राम कैथी मोड़ स्थित यात्री प्रतीक्षालय के पास से अजब सिंह दोहरे (22) निवासी मोहल्ला खण्डेराव, कस्बा एवं थाना जालौन को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा में प्राथमिकी दर्ज कर उसे आवश्यक कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया, उसके बाद उसे जेल भेज दिया गया।

236 वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही

कानपुर। पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सड़क सुरक्षा एवं सुगम यातायात व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से कानपुर नगर के प्रमुख हाई-वे पर विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान संबंधित जोन के यातायात निरीक्षकों एवं सीसी टीम प्रभारियों द्वारा हाईवे के किनारे अनधिकृत रूप से खड़े वाहनों को हटवाया गया तथा वाहन चालकों को सड़क किनारे वाहन खड़ा न करने, निर्धारित पार्किंग स्थलों का ही उपयोग करने, वाहन खराबी की स्थिति में आवश्यक सुरक्षा संकेतक (रिफ्लेक्टर, ट्रायंगल, पार्किंग लाइट आदि) लगाने तथा यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने के संबंध में जागरूक एवं निर्देशित किया गया। इस दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 236 वाहनों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम (MV Act) के अंतर्गत नियमानुसार चालान की कार्रवाई की गई। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन व वाहन चालकों से अपील की गई कि यातायात नियमों का पालन करें, हाईवे अथवा मुख्य मार्गों के किनारे अनावश्यक रूप से वाहन खड़ा न करें तथा सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था बनाए रखने में यातायात पुलिस का सहयोग करें।

नारायण पुर में बंदरों का तांडव, हफ्ते भर में एक दर्जन लोग ज़ख्मी

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना महाराज पुर क्षेत्र अंतर्गत नारायण पुर गांव में पिछले सप्ताह से बंदरों का भीषण आतंक छाया हुआ है,इन हमलों में अबतक करीब 12 लोग घायल हो चुके हैं, जिनमें से एक ग्रामीण छत से गिरकर गंभीर रूप से चोटिल हो गया,, घायलों में राजकुमार पासवान, राज देवी पत्नी संजीव गुप्ता,खुशी पुत्री रामकिशोर, प्रियांशी, राममनोहर, निरंजन यादव, लक्ष्मी नारायण,आदि लोग शामिल हैं चार दिन पहले बंदरों ने छत पर लक्ष्मी नारायण को दौड़ाया था, जिससे बचने के प्रयास में वह दूसरे खंड से नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गए थे, आपको बताते चलें कि लाठी डंडे लेकर स्कूल जा रहें हैं बच्चे,,ग्राम प्रधान सोनम गुप्ता ने बताया कि बीतें तीन दिन में ही सात लोग बंदरों के हमलें में घायल हो गए हैं, आतंक इस क़दर हैं कि लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहें हैं, ग्रामीणों में रोष है कि शासन ने कोई कार्रवाई नहीं की हैं।

डीएम मेरी बात सुन लेंगे...

इस भरोसे 18 किलोमीटर पैदल चलकर पहुंची महिला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस की सुनवाई समाप्त हो चुकी थी। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह अपनी गाड़ी की ओर बढ़ रहे थे। तभी एक महिला घबराई हुई उनके पास पहुंची और अपनी समस्या बताने लगी। उसने बताया कि उसका राशन कार्ड नहीं है और सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का हस्तांतरण भी नहीं हो पा रहा है। जिलाधिकारी ने आवेदन पत्र मांगा तो महिला ने बताया कि वह जल्दबाजी में प्रार्थना पत्र भी नहीं लिख पाई। रिंकी मिश्रा ने बताया कि उसकी समस्याओं को देखते हुए गांव के लोगों और शुभचिंतकों ने उसे सलाह दी थी कि वह जिलाधिकारी से मिले। उसकी एक ही बात थी, डीएम साहब मेरी बात सुन लेंगे। इसी भरोसे वह तहसील नरवल क्षेत्र के ग्राम बीर सिंहपुर से करीब 18 किलोमीटर पैदल चलकर घाटमपुर तहसील पहुंची थी। महिला की बात सुनने के बाद जिलाधिकारी ने तत्काल उपजिलाधिकारी घाटमपुर अबिचल प्रताप सिंह को उसी दिन मौके पर पहुंचकर पूरे प्रकरण की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। प्रशासन की टीम शाम तक महिला के घर पहुंच गई। कच्ची दीवारों और जर्जर टीन की छत वाले घर में रह रहे परिवार के पास बिजली जाने पर रोशनी की समुचित व्यवस्था भी नहीं थी। जांच में सामने आया कि महिला का राशन कार्ड नहीं बना था, जबकि सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का हस्तांतरण लंबे समय से लंबित था। महिला रिंकी मिश्रा (41) की सबसे बड़ी चिंता उसकी दोनों बेटियां हैं। बड़ी बेटी 17 वर्ष की है, जो पूर्णतः दिव्यांग है और उसे निरंतर देखभाल की जरूरत है।

वहीं 15 वर्षीय दीक्षा ने अभावों के बीच भी पढ़ाई नहीं छोड़ी। रिंकी मिश्रा के पति राजीव मिश्रा की लगभग 10 वर्ष पूर्व आकस्मिक मृत्यु हो गई थी, जिसके बाद से पूरा परिवार कठिन परिस्थितियों में जीवनयापन कर रहा है। दीक्षा ने कक्षा छह की परीक्षा में 98 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। अधिकारियों के पहुंचने पर परिवार की स्थिति बताते बताते महिला भावुक हो उठी। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उपजिलाधिकारी अबिचल प्रताप सिंह ने तत्काल राहत के रूप में राशन, रसोई का आवश्यक सामान, सब्जियां, फल, मिठाई, बिस्किट सहित अन्य जरूरी सामग्री उपलब्ध कराई। इसके साथ ही परिवार को पांच हजार रुपये की तात्कालिक आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। मौके की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने महिला की विधवा पेंशन स्वीकृत कराने, सास के नाम बने अंत्योदय राशन कार्ड का नियमानुसार हस्तांतरण कराने तथा परिवार को अन्य पात्र सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से समयबद्ध रूप से जोड़ने के निर्देश दिए। साथ ही बीएसए को निर्देशित किया कि दीक्षा की पढ़ाई आर्थिक अभाव के कारण प्रभावित न होने पाए।

संयुक्त कार्यवाही में साइबर फ्रॉड गिरोह का पर्दाफाश, 6 अभियुक्त गिरफ्तार

कानपुर। थाना नवाबगंज पुलिस एवं सेंट्रल जोन की साइबर क्राइम टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए साइबर फ्रॉड के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश कर 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। गिरोह का मुख्य सरगना क्षितिज वर्तमान में फरार है, जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार दबिश दी जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से बैंकिंग दस्तावेज, कई एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन, 58,800 नकद, एक कार एवं एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है। जांच में यह भी प्रकाश में आया है कि अभियुक्तों से संबंधित बैंक खातों के विरुद्ध एनसीआरपी (NCRP) पोर्टल पर 50 से अधिक साइबर शिकायतें दर्ज हैं। प्रारंभिक विवेचना में ज्ञात हुआ है कि अभियुक्त लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देकर उनके नाम से बैंक खाते खुलवाते थे तथा उन्हीं खातों का उपयोग साइबर ठगी से प्राप्त धनराशि के लेन-देन एवं हेराफेरी के लिए करते थे। प्रकरण में पुलिस गिरोह के संपूर्ण नेटवर्क की पड़ताल कर रही है तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

खेतों से लौटी युवती की रहस्यमई मौत

श्मशानघाट पहुंची पुलिस, परिजन कर चुके थे अंतिम संस्कार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत महाराज पुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डोमन पुर मजरा गौशाला में एक युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई, परिजनों का दावा है कि बीमारी के कारण जान गई, जबकि चर्चा है कि उसने ज़हरीला पदार्थ खाया था,, आपको बताते चलें कि डोमन पुर मजरा गौशाला में रविवार सुबह 18 वर्षीया युवती मानसी के ज़हरीला पदार्थ खाकर जान देने की सूचना से हड़कंप मच गया, सूचना पर पहुंची पुलिस तों पता चला कि परिजन शव को अंतिम संस्कार के लिए गौशाला घाट ले जा चुके हैं,,जब तक पुलिस घाट पहुंची, अंतिम संस्कार हो चुका था, परिजनों ने बताया कि मानसी पुत्री सभाजीत शनिवार को खेतों से धान लगाकर लौटी थी घर आते ही उसने कोल्डड्रिंक पी लिया, जिससे उसे लूज मोशन शुरू हो गया,परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां देर रात उपचार के दौरान मौत हो गई,,मानसी तीन भाइयों में सबसे छोटी और एकलौती बहन थी,दो भाई विक्की और धीरज बाहर रहने के कारण नहीं आ सके, वहीं मां प्रेमा और पिता सभाजीत का रो रो कर बुरा हाल है, महाराज पुर थाना प्रभारी निरीक्षक जनार्दन सिंह ने बताया कि परिजनों के अनुसार युवती की मौत बीमारी के कारण हुई है। मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएंगी।

सरसौल बाजार में नालियों की सफाई शुरू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। सरसौल बाजार में नालियों के ओवर फ्लो होने और सड़कों पर फैल रही गंदगी को लेकर व्यापारियों की परेशानी को देखते हुए विभाग ?हरकत में आया,और रविवार को बाजार की सफाई शुरू कर दी गई,, आपको बताते चलें कि कानपुर नगर जनपद की तहसील नरवल के कस्बा सरसौल बाजार में नालियों के ओवरफ्लो होने से पिछले कई दिनों गंदगी और बदबू का आलम था, नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा था,, जिससे ग्राहक आने से कतरा रहे थे,और दुकानदार बदबू के बीच व्यापार करने को मजबूर थे, गंदगी के चलते बीमारी फैलने का ख़तरा भी बढ़ गया था,, व्यापारियों की परेशानी को देखते हुए विभाग हरक़त में आया,और रविवार को रोस्टर लगवा कर सरसौल बाजार की सफाई शुरू कर दी, उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के महामंत्री रजत पांडेय ने बताया कि इस संबंध में कई बार लिखित और मेल से भी शिकायत की गई थी,, पहले ही सफाई कर दी जाती तों, विभाग की फजीहत न होती,, व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष महेश वर्मा ने कहा कि यदि शिकायत के समय ही सफाई करा दी जाती,तो विभाग की फजीहत न होती।

दीपू पेंटर बने बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष

कोंच(जालौन)- नगर के समाजसेवी, दलित चिंतक और स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ दीपू पेंटर के राष्ट्रीय दलित पिछड़ा अल्पसंख्यक मोर्चा में बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष मनोनीत होने पर शुभचिंतकों एवं समर्थकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए एक दूसरे का मुँह मीठा कराया। शनिवार को मंडल मुख्यालय झांसी में मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विजय चोरिया के आवास पर भी कार्यकर्ताओं ने दीपू पेंटर सहित नव नियुक्त बुंदेलखंड प्रभारी अशोक प्याल का माल्यार्पण कर स्वागत सम्मान किया। इस दौरान दीपू पेंटर ने मोर्चा के केंद्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह पूर्ण मनोयोग और लगन निष्ठा के साथ मोर्चा को आगे ले जाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ेंगे और वंचितों शोषितों के हक की लड़ाई लड़ने का काम करेंगे।

कलक्ट्रेट गेट पर हुई घटना का जिलाधिकारी ने लिया त्वरित संज्ञान

उपजिलाधिकारी को तत्काल ग्राम मे भेजकर मामले की करायी जाँच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कलक्ट्रेट गेट पर हुई घटना का त्वरित संज्ञान लिया और संबंधित को बुलाकर बात कर प्रकरण को जाना और उपजिलाधिकारी मीरगंज को तुरंत मौके पर भेजकर वस्तुस्थिति की जानकारी ली । उपजिलाधिकारी ने अपनी जाँच मे अवगत कराया कि तहसील मीरगंज के ग्राम खमरिया सानी में आबादी क्षेत्र से रास्ते की मांग संबंधी प्रकरण है द्य उक्त शिकायत का पूर्व में निस्तारण किया जा चुका था, किन्तु शिकायतकर्ता समाधान से संतुष्ट नहीं था। उक्त प्रकरण की स्थलीय व अभिलेखीय जाँच की गई। जॉच से विदित हुआ कि संदर्भित प्रकरण ग्राम खमरिया सानी तहसील मीरगंज के गाटा सं0 371 श्रेणी 6(2) आबादी के अन्दर का है। वर्तमान में जो खड़ंजा चल रहा है उसके बराबर में कुछ अन्य भूमि है जिस पर चन्द्रपाल व राम प्रकाश पुत्रगण भूपराम आदि के द्वारा पशु बांधकर व लकड़ी रखकर उपयोग में लाया जा रहा है। उक्त भूमि पर बहुत पुराना कुआँ भी बना हुआ है। इसी से सटे मन्दिर से संलग्न एक पारम्परिक रास्ता लगभग 35-40 वर्षों से चल रहा है जो मौके पर रिक्त है एवं समस्त ग्रामवासी मन्दिर आने-जाने के लिये आवागमन में प्रयोग कर रहे है। इसी रास्ते को लेकर लाल सिंह पक्ष आपत्ति कर रहा है व कुएँ की ओर व रामप्रकाश के घर के सामने से रास्ता चाह रहा है मंदिर भी लगभग 60-70 वर्ष पुराना है। शिकायतकर्ता लाल सिंह का घर रास्ते से होकर थोड़ा अन्दर जाकर तीसरे नम्बर पर स्थित है। इसके घर के पीछे एक वैकल्पिक चकमार्ग भी मौजूद है, जिसका उपयोग इनके द्वारा आवगवन हेतु किया जा रहा है। उक्त प्रकरण में पूर्व में भी तत्कालीन उपजिलाधिकारी, वर्तमान उपजिलाधिकारी, तहसीलदार मीरगंज व नायब तहसीलदार मीरगंज के द्वारा भी स्थल पर जाकर जॉच की जा चुकी है। आज पुनः राजस्व टीम द्वारा जॉच की गई। शिकायतकर्ता उक्त भूमि (आबादी) से रास्ते की मांग कर रहा है। मौके पर विवाद का सहमति के आधार पर समाधान कराने का अथक प्रयास किया गया परन्तु शिकायतकर्ता व विपक्षी चन्द्रपाल आदि के परिवार के बीच सहमति नहीं बन सकी। दोनों परिवार में आपसी कसीदगी है। प्रार्थी लाल सिंह के पास निकास हेतु अन्य वैकल्पिक रास्ता चकमार्ग गाटा संख्या 553 घर के पीछे मौजूद है। प्रार्थी को अवगत करा दिया गया है कि प्रकरण आबादी की भूमि श्रेणी 6 (2) का है। राजस्व मानचित्र में भी आबादी के गाटा में रास्ता अंकित न होने के कारण कोई कार्यवाही किया जाना संभव नहीं है। इसके अतिरिक्त यह भी संज्ञानित करना है कि गाटा सं0 371 से सम्बन्धित वाद सं0 515/2026 चन्द्रपाल बनाम लाल सिंह सिविल न्यायालय सीनियर डिवीजन बरेली में विचाराधीन है, जिसमें नियत तिथि दिनांक 30 जुलाई .2026 है। शिकायतकर्ता को अवगत करा दिया गया है सिविल न्यायालय में पैरवी कर अनुतोष प्राप्त करें। सक्षम न्यायालय के आदेश के क्रम में कोई कार्यवाही किया जाना विधि संगत होगा। फिर भी दोनो रास्ते मौके पर बदस्तूर चल रही है। मौजूद अन्य ग्राम वासियों को कोई समस्या नहीं है। आवागमन में कोई बाधा नहीं है। दो दिन पूर्व उपजिलाधिकारी मीरगंज, तहसीलदार मीरगंज द्वारा इनके अधिवक्ता राजेन्द्र गंगवार एवं प्रार्थी को व्यक्तिगत रूप से बुलाकर समझाया भी था। जिलाधिकारी ने प्रकरण से अपर जिला मजिस्ट्रेट विजय व तहसीलदार मीरगंज को मामले की पुनः जांच कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है।

केन-बेतवा जुड़ने के बाद बुंदेलखंड में होगी तीन-तीन फसलें-स्वतंत्र देव

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उरई (जालौन)- प्रदेश के हर ग्रामीण घर तक नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य में जुटी राज्य सरकार अब परियोजनाओं को पूरा कर ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने में जुट गई है। प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जनपद के कदौरा विकास खंड के चमारी गांव में आयोजित जल अर्पण कार्यक्रम में ग्रामवासियों को नल से जल पहुंचाने वाली इस योजना की कमान सौंपी। जल अर्पण कार्यक्रम के मौके पर जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि राज्य सरकार घरों तक नल से जल की सप्लाई के साथ-साथ परिवारों को फ्री में राशन, घर तक बिजली, पक्की सड़क, किसान सम्मान निधि और बच्चों को पोषण आहार की सुविधा मुहैया करा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने नल से जल आप लोगों के घरों तक पहुंचा दिया है। अब आपकी जिम्मेदारी है कि आप पानी का इस्तेमाल भी करें और संरक्षण भी करें, जिससे आने वाली पीढ़ियों को भी इसी तरह घर तक पानी की सप्लाई मिलती रहे। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि केन-बेतवा को जोड़ने का काम किया जा रहा है। दोनों नदियों को जोड़ने के बाद बुंदेलखंड की सिंचाई व्यवस्था में अभूतपूर्व परिवर्तन आएगा। किसान तीन-तीन फसलों का उत्पादन कर सकेंगे। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि चमारी गांव में 10 घर ऐसे हैं, जिन्हें शिफ्ट किया गया है। उन घरों में भी जल्द ही पानी की सप्लाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए राज्य सरकार सरकारी भवनों में रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दे रही है। 35 हजार से अधिक भवनों पर रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की व्यवस्था की गई है। खेत में तालाबों का निर्माण किया जा रहा है, 6500 चैकडैम बनाए गए हैं। जलशक्ति मंत्री ने कहा कि वह और जल जीवन मिशन की पूरी टीम गांव-गांव जाकर जल जीवन मिशन की जमीनी हकीकत जान रही है। यह सुनिश्चित कर रही है कि हर घर तक नल से जल पहुंचे और इसमें किसी भी तरह का भेदभाव न हो। इस दौरान जलशक्ति मंत्री ने ग्रामवासियों से पौधे लगाने की भी अपील की। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने ग्रामवासियों को बताया कि किस तरह से सरकार ने बुंदेलखंड के हर घर में नल से जल पहुंचाने के लक्ष्य को साकार किया है। वहीं गांव में नलों से पानी की सप्लाई पाकर ग्रामीण भावुक नजर आए। ग्रामवासियों ने संकल्प लिया कि वो अपनी आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी का संरक्षण करेंगे जिससे पानी का जो दुख और संकट उन्होंने झेला, वो उनकी आने वाली पीढ़ियों को न भुगतना पड़े। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक घनश्याम अनुरागी, सदर विधायक गौरीशंकर वर्मा, माधौगढ़ विधायक मूलचंद निरंजन, कालपी विधायक विनोद चतुर्वेदी, एमएलसी रमा निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह समेत बड़ी संख्या में जल जीवन मिशन के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

स्त्री आर्य समाज की नई कार्यकारिणी का गठन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

डा. संतोष अरोड़ा
प्रधान

कानपुर। स्त्री आर्य समाज, गोविंद नगर ब्लॉक-2 की आयोजित आम एवं अंतरंग सभा में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। चुनाव प्रक्रिया सौहार्दपूर्ण एवं गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुई, जिसमें उपस्थित सदस्यों ने वैदिक धर्म, सामाजिक समरसता, शिक्षा, संस्कार एवं जनसेवा के कार्यों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नवगठित कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में वीरा चौपड़ा, चंद्रकांता गेरा एवं शकुंतला मेहन्दीरत्ता, प्रधान पद पर डॉ. संतोष अरोड़ा, उपप्रधान पद पर सरोज खन्ना, कविता कपूर एवं सुमन चौपड़ा, मंत्री पद पर शिवांगी अरोड़ा (मोंगा), उपमंत्री पद पर पूजा आर्या, श्वेता सचदेव एवं निधि गेरा, कोषाध्यक्ष पद पर मीनाक्षी दुआ, लेखा निरीक्षिका पद पर कमल दीवान तथा अंतरंग सभा के सदस्य के रूप में कृष्णा आनंद, बबीता गोस्वामी, ममता चौपड़ा, रानी मोंगा, पूनम मोंगा, जनक दुआ, प्रतीक्षा गेरा एवं प्रिया गेरा को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा के साथ कार्य करने तथा महर्षि दयानंद सरस्वती के वैदिक सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया। उन्होंने समाज में शिक्षा, संस्कार, महिला सशक्तिकरण, युवा जागरूकता, सामाजिक सेवा एवं राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक व्यापक रूप से संचालित करने का विश्वास दिलाया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी का जोरदार स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं तथा विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम स्त्री आर्य समाज, गोविंद नगर को नई ऊर्जा, नई दिशा और नई पहचान प्रदान करेगी। कार्यक्रम का समापन वैदिक मंगलकामना एवं समाज हित में निरंतर कार्य करने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

मारपीट करने पर तीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

कोंच(जालौन)- मंदिर में झाडू सही से लगाने की बात पर हुए विवाद में ग्रामीण के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चमेंड निवासी महेंद्र कुशवाहा पुत्र ठाकुर प्रसाद ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि शनिवार की शाम करीब 5 बजे वह गांव में ही कारसदेव के स्थान पर बैठा हुआ था। इसी दौरान आकाश पुत्र शिवाकांत झाडू लगाते समय धूल उड़ाने लगा जिस पर उसने ठीक से झाडू लगाने का लिए कह दिया तो आकाश के पिता शिवाकांत और भाई आलोक सहित आकाश ने मिलकर गाली गलौच करते हुए उसे लाठी डंडों और लात घूसों से मारापीटा जिससे वह घायल हो गया। उक्त लोगों ने उसे धमकी दी की पुलिस से यदि शिकायत की तो जान से मार देंगे। घटना को लेकर पुलिस ने उपरोक्त तीनों के खिलाफ दफा 115(2), 351(2), 352 बीएनएस में एफआईआर दर्ज कर ली है।

कानपुर में ओवर स्पीड 340 वाहनों पर कार्यवाही

कानपुर। कानपुर नगर में स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग-34 (एनएच-34) पर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु बनायी गयी कार्ययोजना के तहत एनएच-34 पर 08 स्थानों पर बैरियर स्थापित करते हुए ड्यूटी लगायी गयी है, इसके अतिरिक्त तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही करने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर प्रत्येक 20 किमी पर 03 इंटरसेप्टर मोबाइल तैनात की गयी है जिनके माध्यम से तेज गति से चलने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जा रही है। आज दिनांक 19.07.2026 में की गयी कार्यवाही के अनुसार राष्ट्रीय राजमार्ग-34 पर 33 ट्रक, 4 बस, 130 चार पहिया/दो पहिया 167 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-19 पर 03 ट्रक, 03 बस, 104 चार पहिया/दो पहिया 110 कुल वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया । गंगा बैराज पर 63 वाहनों का ओवरस्पीड पर चालान किया गया। यातायात पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर ने आमजनमानस से अपील की है कि ट्रैफिक नियमों का पालन करें।

बरामद कच्ची शराब की पूरी की नष्टीकरण कार्यवाही

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)- कोतवाली पुलिस ने भारी मात्रा में बरामद की गई अवैध कच्ची शराब की नष्टीकरण कार्यवाही की। पूरी कार्यवाही कोतवाली क्षेत्र के पहाड़गांव-कैलिया बाईपास रोड पर क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद की मौजूदगी में की गई। जानकारी के अनुसार, बीते वर्ष 2024 में आबकारी अधिनियम के तहत कोतवाली में दर्ज किए गए 37 मुकदमों में पुलिस द्वारा कुल 467 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की गई थी। न्यायालय के आदेश के अनुपालन में निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए कोतवाली पुलिस ने रविवार की दोपहर क्षेत्राधिकारी परमेश्वर प्रसाद की मौजूदगी में उक्त सारी शराब की नष्टीकरण कार्यवाही पूरी की। उन्होंने बताया कि अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पूर्व में बरामद की गई अवैध कच्ची शराब सुरक्षित एवं नियमानुसार नष्ट कराई गई है। उन्होंने कहा कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ भविष्य में भी कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। इस दौरान प्रभारी निरीक्षक बृजेश बहादुर सिंह समेत पुलिस टीम मौजूद रही।

अब कानपुर के खेतों, तालाबों में खिल रहे हैं मोती

मत्स्य पालन के साथ मोती उत्पादन का अभिनव प्रयोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। खेत तालाब अब केवल सिंचाई और वर्षा जल संचयन तक सीमित नहीं रह गए हैं। कानपुर नगर के बिधनू विकासखंड स्थित ग्राम सम्भुआ में एक खेत तालाब में मोती उत्पादन और मत्स्य पालन का अभिनव प्रयोग किया जा रहा है। लगभग 30 हजार सीपियों पर आधारित इस परियोजना में प्रति सीपी दो मोती तैयार किए जा रहे हैं। इनमें चयनित सीपियों में विशेष मोल्ड तकनीक के माध्यम से स्वस्तिक, भगवान गणेश, पुष्प, पत्तियों तथा अन्य कलात्मक आकृतियों वाले डिजाइनर पर्ल विकसित किए जा रहे हैं। लगभग 18 से 20 लाख रुपये की लागत वाली इस परियोजना से तैयार होने वाले मोती करीब 50 लाख रुपये में बिकने का अनुमान है, जबकि मत्स्य पालन से प्रतिवर्ष लगभग चार लाख रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने इस परियोजना का निरीक्षण कर अधिकारियों को इसे जनपद के अन्य खेत तालाब लाभार्थियों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत भूमि संरक्षण अनुभाग द्वारा ग्राम सम्भुआ निवासी श्रीमती रश्मि वर्मा के खेत में 22 मीटर लंबा, 20 मीटर चौड़ा एवं तीन मीटर गहरा खेत तालाब निर्मित कराया गया है। योजना के तहत उन्हें खेत तालाब निर्माण पर 50 प्रतिशत (अधिकतम 52,500) का अनुदान डीबीटी के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। कृषि विभाग एवं मणि एग्रो हब के सहयोग से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने तालाब में मोती की खेती शुरू की। वर्तमान में इस परियोजना को लगभग नौ माह पूरे हो चुके हैं तथा करीब 18 माह में मोती तैयार हो जाएंगे। इस परियोजना की विशेषता यह है कि चयनित सीपियों में विशेष साँचे (मोल्ड) प्रत्यारोपित किए गए हैं, जिन पर सीपी प्राकृतिक रूप से मोती की परतें चढ़ाती है। इसी प्रक्रिया से स्वस्तिक, भगवान गणेश, पुष्प, पत्तियों तथा अन्य कलात्मक आकृतियों वाले डिजाइनर पर्ल तैयार किए जा रहे हैं। सामान्य गोल मोतियों की तुलना में ऐसे डिजाइनर पर्ल आभूषण एवं सजावटी बाजार में अधिक मांग वाले उत्पाद माने जाते हैं, जिससे बेहतर मूल्य मिलने की संभावना रहती है। वहीं सामान्य सीपियों में प्रति सीपी दो मोती तैयार किए जा रहे हैं, जिससे उत्पादन क्षमता भी बढ़ रही है। परियोजना के साथ मत्स्य पालन को भी जोड़ा गया है। रश्मि वर्मा ने बताया कि उनके दूसरे खेत तालाब में मत्स्य पालन किया जा रहा है और अब तक तीन बार मत्स्य उत्पादन किया जा चुका है। इससे प्रतिवर्ष लगभग चार लाख रुपये की अतिरिक्त आय होने की संभावना है। उन्होंने अन्य किसानों से भी खेत तालाबों का उपयोग केवल सिंचाई तक सीमित न रखकर मत्स्य पालन, मोती की खेती तथा अन्य आयवर्धक गतिविधियों से जोड़ने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

दुबौला चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

हेलमेट पहनने और यातायात नियमों के पालन की अपील

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र की दुबौला चौकी अंतर्गत चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान चारपहिया और दोपहिया वाहनों की गहन जांच की गई तथा कारों की डिक्की की भी तलाशी ली गई।चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट चल रहे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक किया गया। चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी ने लोगों से कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने वाहन चालकों को समझाया कि वाहन की डिक्की में किसी भी प्रकार की अवैध या संदिग्ध वस्तु रखना कानूनन अपराध है और ऐसा पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान के दौरान पुलिस ने लोगों को प्रेमपूर्वक यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित यात्रा करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नियमित अभियान अपराध नियंत्रण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

नाली की सफाई नहीं होने से पानी निकास बाधित

फतेहपुर बाराबंकी आदर्श नगर पंचायत फतेहपुर जिला बाराबंकी के पटेल रोड जाने वाली रोड के किनारे बंधन बैंक के पास नाली पूरी तरह सफाई नहीं होने के कारण कूड़े और मलबे से भरी हुई है जिससे पानी का निकास नहीं होने के कारण रोड के किनारे गंदा पानी बरसात होने पर भर जाता है जिससे स्थानीय नागरिकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है । मातमाली बाग में रहने वाले राहुल सैनी ने बताया कि बरसात के समय पानी भर जाने से दुकान खोलने में बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ता है । जबकि नगरपंचायत के अधिशाषी अधिकारी द्वारा बरसात से पूर्व सभी नालियों को गहराई से साफ करवाने के निर्देश सफाई नायक/सुपरवाइजर को दिए गए थे उसके बावजूद मुख्य रोड के किनारे की नाली की सफाई सही से नहीं होने से पानी निकास नहीं हो पा रहा है हल्की बरसात होने पर ही पानी का भराव हो जाता है।

एनटीए को भंग करने की मांग को लेकर माकपा ने राष्ट्रपति को भेजा ज्ञापन

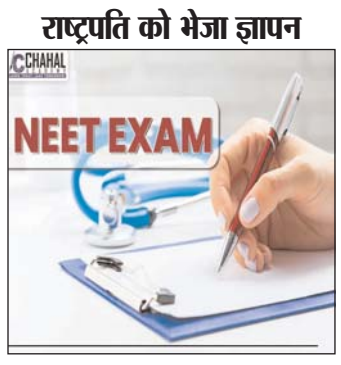

भदोही। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की भदोही जिला इकाई ने रविवार को राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन भेजकर राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को भंग करने तथा नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। जिला सचिव भानुश्री मौर्य द्वारा जारी ज्ञापन में कहा गया कि नीट परीक्षा में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है। पार्टी ने आरोप लगाया कि एनटीए पारदर्शी एवं निष्पक्ष परीक्षा कराने में विफल रही है, जिससे अभ्यर्थियों का विश्वास कमजोर हुआ है। ज्ञापन में मांग की गई है कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए, दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए परीक्षा व्यवस्था को पारदर्शी बनाया जाए। साथ ही केंद्र सरकार से एनटीए को भंग कर नई और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली लागू करने की मांग भी की गई। इस अवसर पर माकपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

03 महीने से लगातार धड़ल्ले से धोबही में जारी है फर्जीवाड़ा, ज़िम्मेदार कुंभकर्णी नींद में मस्त

» ग्राम पंचायत धोबही में फर्जी भुगतान में ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा को मिल रही पूर्ण सफलता

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के परसरामपुर 03 महीने से लगातार ग्राम पंचायत धोबही पर विकास कार्यों के नाम पर सरकारी खजाने को लूटने में ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा जुटी हुई है अर्थात् ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा का जुगाड़ फर्जीवाड़ा करने में सफल दिखाई दे रहा है। ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा सचिव , टीए व मनरेगा एपीओ को मुंहमांगा कमीशन देकर धड़ल्ले से विकसित भारत जी राम जी के कार्यों की फर्जी भुगतान कराने में सफल है। रोजगार सेवक/महिला मेट, ग्राम प्रधान, सचिव, टीए व मनरेगा एपीओ की लापरवाही से प्रदेश सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है ।

आपको बता दें कि विकासखंड परसरामपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत धोबही में लगातार 03 महीने से बड़े पैमाने पर विकास कार्यों के नाम पर फर्जीवाड़ा का खेल चल रहा है जिसमें रोजगार सेवक/महिला मेट , सचिव , तकनीकी सहायक , एपीओ मनरेगा व बीडीओं अहम भूमिका निभा रहे हैं। ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा का मनरेगा फर्जीवाड़ा करने में लगातार सफल होने पर मनोबल दिनोंदिन बढ़ता जा रहा है और ग्राम पंचायत धोबही में विकास कार्य धीरे- धीरे बन्द हो रहा है। ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा ने 03 महीने से लगातार कई बार चार तालाबों की खुदाई व सफाई कार्य के नाम पर फर्जी मस्टर रोल जारी करवाई थी और फर्जी फोटो के सहारे चारों फर्जी मस्टर रोल को पूर्ण कर लिया है और सचिव, तकनीकी सहायक, एपीओ मनरेगा व खंड विकास अधिकारी को मुंहमांगा कमीशन का लालच देकर फर्जी भुगतान भी प्राप्त कर ली है।

बड़ी बात यह है कि ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा के मनरेगा भ्रष्टाचार पर क्यों नहीं कार्यवाही हो पा रही है? तेज तर्रार सीडीओ सार्थक अग्रवाल के कड़े निर्देश के बाद भी ग्राम पंचायत धोबही के मनरेगा भ्रष्टाचार मामले में जांच न हो पाना एवं कार्यवाही न हो पाना जांच का विषय बना हुआ है। जांच एवं कार्यवाही के नाम पर लीपा-पोती किया जा रहा है। ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा पंचायत चुनाव नजदीक देखकर सरकारी खजाने को पूरी तरह लूटने में अपार सफलता प्राप्त की है यदि ऐसे ही जिम्मेदार अधिकारियों व कर्मचारियों का ग्राम प्रधान रेखा मिश्रा को सहयोग मिलता रहा तो भविष्य में कभी भी ग्राम पंचायत धोबही का समुचित विकास नहीं होगा और ग्राम पंचायत में विकास कार्यों हेतु आई धनराशि सरकारी खाते में नही बचेगी। अर्थात् ग्राम प्रधान की जेब गर्म होगी और सरकारी खाता खाली होगा। उक्त प्रकरण में मुख्य विकास अधिकारी सार्थक अग्रवाल ने जांच के कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

दुबौला चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

हेलमेट पहनने और यातायात नियमों के पालन की अपील

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के कप्तानगंज थाना क्षेत्र की दुबौला चौकी अंतर्गत चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी के नेतृत्व में सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान चारपहिया और दोपहिया वाहनों की गहन जांच की गई तथा कारों की डिक्की की भी तलाशी ली गई।चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट चल रहे दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने के लिए जागरूक किया गया। चौकी प्रभारी विवेकानंद तिवारी ने लोगों से कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने वाहन चालकों को समझाया कि वाहन की डिक्की में किसी भी प्रकार की अवैध या संदिग्ध वस्तु रखना कानूनन अपराध है और ऐसा पाए जाने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अभियान के दौरान पुलिस ने लोगों को प्रेमपूर्वक यातायात नियमों का पालन करने, सुरक्षित यात्रा करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। स्थानीय लोगों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे नियमित अभियान अपराध नियंत्रण के साथ-साथ सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भदोही में निकली साइकिल जागरूकता रैली

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता के उद्देश्य से रविवार को भदोही साइकिलिंग क्लब ने पर्यावरण योद्धा अताउल मुस्तफा अंसारी के नेतृत्व में साइकिल यात्रा निकाली। यात्रा बड़ा चौराहा से विभिन्न मार्गों से होते हुए 100 शैय्या अस्पताल सरपतहां पहुँची, जहां मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संतोष कुमार चक ने साइकिल यात्रियों का स्वागत किया। डॉ. चक ने कहा कि साइकिल चलाना बेहतर स्वास्थ्य के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को आगे रवाना किया। यात्रा के दौरान प्रतिभागियों ने 'साइकिल चलाएँ, ईंधन बचाएँ वृक्ष लगाओ, पर्यावरण बचाओ' और करो योग, रहो निरोग' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर प्रवीण श्रीवास्तव, सरफराज अहमद, बनारसी बिंद, अशोक राजभर, अरुण बिंद, विपिन चौधरी सहित बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

जर्जर सड़क बनी मुसीबत, हजारों स्कूली बच्चों और राहगीरों का सफर जोखिम भरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार (अमेठी)। विकासखंड शुकुल बाजार कस्बे में महावीरन हनुमान मंदिर से पोस्ट ऑफिस, सेंट जॉन इंटर कॉलेज, आदर्श इंटर कॉलेज होते हुए शुकुल बाजार-हैदरगढ़ संपर्क मार्ग को जोड़ने वाली लगभग 500 मीटर लंबी सड़क वर्षों से बदहाल स्थिति में पड़ी है। गहरे गड्ढों और उखड़ी सड़क के कारण प्रतिदिन हजारों स्कूली बच्चों, अभिभावकों, शिक्षकों तथा आम राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।यह मार्ग कस्बे का अत्यंत महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग माना जाता है। इसी सड़क पर पोस्ट ऑफिस, सेंट जॉन इंटर कॉलेज, आदर्श इंटर कॉलेज, आंगनबाड़ी केंद्र, प्राथमिक विद्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय सहित कई शैक्षणिक संस्थान एवं सरकारी कार्यालय स्थित हैं। सुबह और दोपहर के समय इस मार्ग पर विद्यार्थियों की भारी आवाजाही रहती है, लेकिन सड़क की जर्जर हालत उनके लिए खतरा बन गई है।बरसात के मौसम में सड़क के गहरे गड्ढों में पानी भर जाने से स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। पानी में गड्ढे दिखाई नहीं देने के कारण आए दिन बच्चे फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। दोपहिया वाहन चालकों और पैदल चलने वालों को भी दुर्घटना का खतरा बना रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार सड़क की मरम्मत की मांग की गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।क्षेत्रवासियों का कहना है कि यह सड़क केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य और उनकी सुरक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण मार्ग है। लोगों ने प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों से शीघ्र सड़क का निर्माण कराए जाने की मांग की है, ताकि स्कूली बच्चों, शिक्षकों और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क का निर्माण नहीं कराया गया तो बरसात के दौरान किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

टोरंटो की तर्ज पर रॉबर्ट्सगंज पुल के नीचे विकसित की जाएंगी नगरीय सुविधाएं

» सोनभद्र को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अनूठी पहल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश- शहरों को साफ-स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप सोनभद्र जिला प्रशासन ने एक अनूठी पहल की है। जिला प्रशासन ने सोनांचल नगरी को और भव्य बनाने के लिए कनाडा के सबसे बड़े शहर टोरंटो में फ्लाई ओवर के नीचे बने विश्व प्रसिद्ध अंडरपास पार्क की तर्ज पर रॉबर्ट्सगंज फ्लाई ओवर के नीचे भी नगरीय सुविधाएं विकसित करने का निर्णय लिया है। यहां बच्चों के लिए झूले, खेलने का स्थान, फूड कोर्ट व ग्रीन जोन विकसित करने के साथ ही मनमोहक वॉल पेंटिंग से सजावट की जाएगी। इन सभी कार्यों को पूर्ण करने में लगभग चार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि सोनभद्र को स्मार्ट सिटी बनाने के लिए तेजी से विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में रॉबर्ट्सगंज फ्लाई ओवर के नीचे के स्थान को संवारने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि फ्लाई ओवर के नीचे लगभग 1 किलोमीटर में नगरीय सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। इन सुविधाओं को तीन जोन में बांटा गया है। स्पोर्ट्स जोन में बच्चों के खेलने के लिए अत्याधुनिक झूले लगाएं जाएंगे, बैडमिंटन कोर्ट, बॉस्केट बॉल कोर्ट व क्रिकेट नेट का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही एक ओपेन जिम की स्थापना भी की जाएगी जहां नगरवासी शारीरिक व्यायाम कर खुद को स्वस्थ्य रख सकेंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि फ्लाई ओवर के नीचे फूड जोन भी विकसित किया जाएगा, जहां पर नगरवासी लजीज व्यंजनों का स्वाद चख सकेंगे। इसके अलावा एक ग्रीन जोन भी विकसित किया जाएगा। ग्रीन जोन में सजावटी पौधे लगाए जाने के साथ ही आमजन को 'ट्रिपल आर' (रिड्यूस, रियूज और रिसाइकल) के प्रति जागरुक करने के उद्देश्य से प्रदूषण का कारक बनने वाले प्लास्टिक, रबर इत्यादि का इस्तेमाल कर बनाए गए मनमोहक स्कल्प्चर लगाए जाएंगे। इतना ही नहीं, पुल के नीचे के स्थान को आकर्षण का केंद्र बनाने के लिए सुंदर वाल पेंटिंग भी कराई जाएगी और नगर वासियों के बैठने के लिए आरामदायक और सुंदर स्थान भी विकसित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यातायात किसी भी तरह से बाधित न होने पाए इसके लिए फ्लाई ओवर के नीचे ही समुचित स्थान पर पार्किंग की व्यवस्था भी की जाएगी। बताया कि फ्लाई ओवर के नीचे विकसित होने वाले स्पोर्ट्स, फूड और ग्रीन जोन को रंग-बिरंगी लाइटों से भी सजाया जाएगा ताकि यह स्थान नगरवासियों के आकर्षण का केंद्र बने। जिलाधिकारी ने बताया कि समस्त कार्य नॉर्दर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सीएसआर मद के तहत कराए जाएंगे। विकसित की जाने वाली सभी सुविधाओं की कार्ययोजना तैयार कर ली गई है, जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा।

मारपीट में महिला सहित तीन घायल

गोपीगंज। कोतवाली क्षेत्र के पूरे रघुनाथ गांव में आपसी विवाद को लेकर के दो पक्षों में हुई मारपीट में सुनीता देवी 30 वर्ष पत्नी दिलीप कुमार, प्रदीप कुमार 23 वर्ष पुत्र स्वर्गीय राजपति, अजय कुमार 19 वर्ष घायल हो गए, घायल अवस्था में गोपीगंज स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के लिए भर्ती कराया गया मारपीट की रिपोर्ट गोपीगंज कोतवाली में दर्ज कराई गई पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही कर रही है।

बस्ती में अवैध सागौन कटान पर कार्रवाई ठप, वन विभाग पर मिलीभगत के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केविकास खंड दुबौलिया के ग्राम पंचायत ऊँजी के राजस्व गांव कैथोलिया में बिना परमिट सागौन के पेड़ों की कटान का मामला एक सप्ताह बाद भी कार्रवाई के इंतजार में है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि सूचना दिए जाने के बावजूद वन विभाग की ओर से अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के हवाले से यह भी आरोप लगाए जा रहे हैं कि अवैध कटान के मामलों में पुलिस और वन विभाग की मिलीभगत के कारण कार्रवाई प्रभावित हो रही है। कुछ स्थानीय सूत्रों ने प्रति पेड़ अवैध वसूली के भी आरोप लगाए हैं। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित विभाग की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रेंजर राजू प्रसाद के सख्त निर्देशों के बावजूद दुबौलिया क्षेत्र में अवैध कटान रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इससे पहले ग्राम पंचायत सरैया बक्सी के राजस्व गांव रमवापुर में आम तथा रमवापुर राजा में महुआ के पेड़ों की कटान के मामलों में भी कार्रवाई को लेकर सवाल उठ चुके हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही अवैध कटान से पर्यावरण और सरकारी राजस्व दोनों को भारी नुकसान हो रहा है। अब क्षेत्र के लोग मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विशेषसर गंज पर लगा मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला

डा0 धर्मेन्द्र कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में आये मरीजों का किया इलाज

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले केदुबौलिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र विशेषसर गंज पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला का आयोजन हुआ जिसमें क्षेत्र से आये हुए सभी प्रकार के मरीजों का इलाज हुआ। मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में सभी प्रकार की जांच निःशुल्क होती है और सभी प्रकार की दवाइयां सभी मरीजों को निःशुल्क वितरित की जाती है। प्रदेश सरकार के आदेशानुसार मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला प्रदेश के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रत्येक रविवार को सुबह 10 बजे से शाम 04 बजे तक लगता है। उसी क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुबौलिया पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला सुबह 10 बजे से शुरू हुआ।

स्वास्थ्य मेला में मरीजों की लम्बी कतार लगी हुई थी। मरीजों का निःशुल्क जांच हुआ और हर प्रकार की दवाइयां मरीजों को निःशुल्क वितरित की गई। डा0 धर्मेन्द्र कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला में आये हुए मरीजों को अन्य रोगों के बारे में जानकारी दी तथा रोगों से बचाव हेतु उपचार के बारे में भी जानकारी दी गई। डा0 धर्मेन्द्र कुमार चौधरी ने कहा कि स्वस्थ शरीर ही मानव का सबसे बड़ा धन है जब शरीर ही स्वस्थ नही है तो सब कुछ बेकार है। मुख्यमंत्री जन आरोग्य जन स्वास्थ्य मेला गरीब व असहाय मरीजों के लिए रामबाण औषधि की तरह लाभदायक है क्योंकि पहले रविवार को प्रत्येक सरकारी अस्पताल बन्द रहता था और मरीजों को इलाज के लिए इधर उधर भटकना पड़ता था लेकिन अब रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला लगने के कारण मरीजों को इधर उधर भटकना नहीं पड़ता है और आसानी से चिकित्सा सुविधाएं मिल रही है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दुबौलिया पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले में लगभग 25 मरीजों ने निःशुल्क जांच एवं इलाज कराया। मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेला के दौरान डा0 धर्मेन्द्र चौधरी, एल टी अनूप कुमार, फार्मासिस्ट श्री धर वर्मा, वार्ड आया शंकुन्तला देवी समेत अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा चोरी का खुलासा

चोरी की 01 ट्रैक्टर व 02 ट्राली के साथ व 02 अन्तर्जनपदीय अभियुक्त गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शुकुल बाजार अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के निर्देशन में एवं अपर पुलिस अधीक्षक अमेठी ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह के पर्यवेक्षण में जनपद अमेठी में अपराध एवं अपराधियों के धर पकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में क्षेत्राधिकारी मुसाफिरखाना अतुल कुमार सिंह के कुशल नेतृत्व में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा तलाश वांछित, देखभाल क्षेत्र व चेकिंग संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु, वाहन के दौरान मुखबिर की सूचना पर ट्रैक्टर सवार अभियुक्त मोहम्मद शाहिल पुत्र असलम निवासी राजघाट सराय थाना सुबेहा जनपद बाराबंकी उम्र करीब 22 वर्ष, मोहम्मद जहीर पुत्र मुन्ना निवासी सिदौली रामपुर थाना बछरांवा जनपद रायबरेली उम्र 40 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से 01 ट्रैक्टर 02 ट्राली को बरामद किया गया ।पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ट्रैक्टर-ट्राली के बारे में पूछने पर बताया कि हम दोनों ने 01 सफेद रंग की ट्राली दिनांक 03/04.07.2026 की रात्रि को पूरे रग्घू शुक्ल का पुरवा मवैया रहमतगढ़ से चोरी किया था, 01 नीले रंग की ट्राली को दिनांक 08/09.07.2026 को ग्राम पाताल पुरवा बाराबंकी से चोरी किया था तथा 01 नीले रंग का ट्रैक्टर ACE DI 450 यूपी 32 जेबी 6496 को कमालपुर लखनऊ से चुराया था। उक्त चोरी के संबन्ध में थाना बाजारशुक्ल पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था। बरामदगी के आधार पर उपरोक्त अभियोग में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी की गई। बरामदगी व गिरफ्तारी के संबंध में थाना बाजारशुक्ल पुलिस द्वारा आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शहीद पार्क में मनाई गई अमर शहीद मंगल पांडेय की जयंती

ज्ञानपुर। नगर स्थित शहीद पार्क में रविवार को जय बाबा बर्फानी ग्रुप के तत्वावधान में 1857 की प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक अमर शहीद मंगल पांडेय की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने शहीदों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके अदम्य साहस और राष्ट्रभक्ति को नमन किया। ग्रुप के अध्यक्ष ब्रह्मा मोदनवाल ने कहा कि मंगल पांडेय ने देश की आजादी के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। उनका जीवन देशभक्ति, साहस और त्याग की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ऐसे महान क्रांतिकारियों की जयंती मनाने का उद्देश्य नई पीढ़ी को उनके संघर्ष और बलिदान से परिचित कराना है, ताकि युवाओं में राष्ट्रप्रेम और देश सेवा की भावना मजबूत हो। कार्यक्रम में देशभक्ति के नारों के बीच शहीदों के योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर राकेश देवांशी, आकाश गुप्ता, मोनू सैनी, बच्चा पेंटर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बिना परमिट के तिवारी पुर में आम व कैथोलिया में सागौन के पेड़ों की हुई कटान

» चिलमा वीट में एक महीने से लगातार धड़ल्ले से हो रही हरे पेड़ों की कटान

» वन दरोगा अभिषेक यादव व वन रक्षक शाश्वत दूबे की लापरवाही से नही रुक रही अवैध हरे पेड़ों की कटान आखिर कैसे रुकेगी? चिलमा वीट में प्रतिबंधित हरे पेड़ों की कटान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले के विकास खण्ड दुबौलिया के अन्तर्गत ग्राम पंचायत शुक्लापुर के राजस्व गांव तिवारी पुर में बिना परमिट के आम के पेड़ की कटान हुई है जिसको लेकर वन दरोगा अभिषेक यादव व वन रक्षक शाश्वत दूबे अंजान बने हुए हैं। वही दूसरी तरफ दुबौलिया पुलिस वन विभाग का मामला बता कर चुप्पी साधे हुई है। आपको बता दें कि विकासखण्ड दुबौलिया के अन्तर्गत ग्राम ऊँजी के राजस्व गांव कैथोलिया में बीते पिछले सप्ताह में बड़े पैमाने पर सागौन के पेड़ों की कटान हुई थी जिसकी सूचना हल्का वन दरोगा व वन रक्षक को दी गई थी। वन दरोगा व वन रक्षक ने जांच के बाद कार्यवाही करने का आश्वासन दिया था लेकिन एक सप्ताह बीतने के बाद भी अभी तक कार्यवाही नही हो पाई है।

सूत्रों की माने तो जब से चिलमा वीट का प्रभार वन दरोगा अभिषेक यादव व वन रक्षक शाश्वत दूबे ने संभाला है तब से लगातार चिलमा वीट में प्रतिबंधित हरे पेड़ों की कटान बड़े पैमाने पर हो रही है। लकड़ी माफिया पर वन विभाग की शिथिलता से कार्यवाही नहीं हो पा रही है जिससे लकड़ी माफिया का मनोबल बढ़ता जा रहा है। दुबौलिया क्षेत्र में यदि ऐसे ही चिलमा वीट प्रभारियों का रवैया रहा तो कभी भी चिलमा क्षेत्र में प्रतिबंधित हरे पेड़ों की कटान नही रुक पायेगी। चिलमा व दुबौलिया क्षेत्र में धड़ल्ले से हो रही हरे पेड़ों की कटान को लेकर रेंजर कप्तानगंज राजू प्रसाद ने कड़ी नाराजगी जताई है और उक्त प्रकरण में तत्काल जांच कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

शक्तिनगर पुलिस को मिली बड़ी सफलता, चोरी की घटना का सफल अनावरण

» दो अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से 04 अदद मोटर एवं कॉपर तार बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

शक्तिनगर/सोनभद्र- पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में चोरी की घटना का सफल अनावरण करने तथा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी पिपरी हर्ष पाण्डेय के पर्यवेक्षण में तथा प्रभारी निरीक्षक शक्तिनगर सतेन्द्र कुमार राय के कुशल नेतृत्व में थाना शक्तिनगर पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है। थाना शक्तिनगर पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 132/2026 धारा 305 ई-बीएनएस पंजीकृत से संबंधित चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।दिनांक 19.07.2026 को समय 03:32 बजे थाना शक्तिनगर पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए चोरी के 04 अदद लोहे के मोटर एवं 01 अदद मोटर का कॉपर तार सहित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार* किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने एनसीएल क्षेत्र से मोटर एवं कॉपर तार चोरी कर अपने पास छिपाकर रखा था तथा उसे बेचने की तैयारी कर रहे थे।

अभियुक्तों के कब्जे से चोरी गया माल बरामद होने के फलस्वरूप मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढ़ोत्तरी की गई। अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई पूर्ण करते हुए उन्हें मा. न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक सतेन्द्र कुमार राय, थाना शक्तिनगर, उपनिरीक्षक सदाशिव राय, मुख्य आरक्षी दिनेश भारती, थाना शक्तिनगर, आरक्षी सचिन तिवारी, आरक्षी कमल शामिल रहे। सोनभद्र पुलिस द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही सतत जारी है।

संक्षिप्त खबरें

कोतवाल शिवा जी दुबे ने आधा दर्जन ड्रग्स माफियाओं को भेजा जेल

लखीमपुर खीरी। तेज तर्रार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक खीरी ख्याति गर्ग के निर्देशन में पलिया पुलिस की शक्त कार्यवाही शुरू।नवागत कोतवाल शिवा जी दुबे के आगमन के करीब 15 दिन के अंदर ही 06 नामचीन ड्रग माफियाओं को भारी मात्रा की बरामदगी के साथ भेजा गया जेल। अपराधियों में मचा हड़कंप, पलिया क्षेत्र छोड़ कर होने लगे फरार ! वाह्य जनपदों और पलिया आने वाले जनपदीय सभी मार्गों पर भारी पुलिस फोर्स के साथ हो रही गहरी चेकिंग! ड्रग माफियाओं, गौ तस्करों और अन्य अपराधियों की नहीं होगी खैर, पलिया कोतवाल की चप्पे चप्पे पर नजर, कोतवाल के न्यायप्रिय और शख्स कार्य शैली की हो रही सराहना।

जितेन्द्र वर्मा बने समाजवादी पार्टी के जिला सचिव

गोला गोकर्णनाथ- समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत करने के लिए नए पदाधिकारियों की घोषणा की है।राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अनुमति से लखीमपुर-खीरी के भदूरी गांव निवासी ,जितेन्द्र वर्मा, को जिला सचिव के पद पर मनोनीत किया गया है। जिला अध्यक्ष रामपाल सिंह यादव ने बुधवार को जारी मनोनयन पत्र में कहा कि पार्टी की नीतियों को जनता तक पहुंचाकर संगठन को मजबूत करना होगा। उन्होंने जितेन्द्र वर्मा से अपेक्षा जताई कि वे अपनी कर्मठता से पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे।

एक तरफ करोड़ों पौधरोपण का दावा, दूसरी तरफ प्रतिबंधित हरे-भरे आम के पेड़ों की कटान का आरोप

लखीमपुर खीरी- धौरहरा रेंज में वन विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। एक ओर विभाग द्वारा लाखों पौधरोपण का दावा किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर 12 जुलाई को प्रतिबंधित हरे-भरे आम के कई पेड़ों की अवैध कटान किए जाने का आरोप सामने आया है।बताया जा रहा है कि कुछ पेड़ों की कटाई 10 जुलाई से ही शुरू हो गई थी और उनका चिरान भी कर दिया गया। आरोप है कि इस दौरान संबंधित बीट प्रभारी व सेक्शन प्रभारी को इसकी भनक तक नहीं लगी। वहीं 12 जुलाई, जब पूरे प्रदेश में पौधरोपण अभियान चल रहा था, उसी दिन कथित रूप से मशीनों से पेड़ों की कटाई होती रही और रात में जेसीबी से जड़ें तक उखाड़ दी गई।मामले से जुड़े साक्ष्य उपलब्ध होने का दावा किया जा रहा है।अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि वन विभाग धौरहरा रेंज इस मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करेगा या मामला ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

उचौलिया पुलिस एक सप्ताह के भीतर फर्जी मुठभेड़ एनकाउंटर की कर रही संरचना

लखीमपुर खीरी: जनपद के उचौलिया थाना क्षेत्र में एक खास मुखबिर से सूचना मिलने के बाद यह दावा किया गया है कि अगले एक सप्ताह के भीतर पुलिस किसी फर्जी मुठभेड़ की साजिश रच सकती है। बताया जा रहा है कि जिस स्थान पर यह फर्जी एनकाउंटर कराया जा सकता है, वह उचौलिया थाना क्षेत्र के भीतर ही कोई संवेदनशील इलाका हो सकता है, जबकि अभियुक्त पहले से पुलिस कस्टडी में मौजूद बताया जा रहा है। मामले को लेकर संबंधित क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है और अब सभी की निगाहें पुलिस की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। इन सभी घटनाओं की बारीक से जांच की जाए की गोली कितनी दूर से मारी जाती है वह अन्य बिंदु भी इसके कंगाल जा सकते हैं तो सभी संदिग्ध जिम्मेदार अपराध के घेरे में आ जाएंगे।देश में कानून व्यवस्था व मानवाधिकार आयोग व डीजीपी के आदेश निर्देश का सही से पालन नहीं किया जा रहा है मानव अधिकारों का लगातार उल्लंघन खनन किया जा रहा है मानव अधिकारों की कोई रक्षा करने वाला नजर नहीं आ रहा जेल व न्यायालय की अवहेलना भी की जा रही है!

संसद मार्च की अनुमति नहीं

धारा 163 BNSS के तहत निषेधाज्ञा लागू है, प्रदर्शन पर पूर्ण प्रतिबंध

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। संसद की ओर 20 जुलाई को प्रस्तावित सीजेपी (CJP) के मार्च को लेकर दिल्ली पुलिस ने स्पष्ट किया है कि इसके लिए न तो कोई अनुमति मांगी गई है और न ही दी गई है। पुलिस ने कहा कि बिना अनुमति किसी भी मार्च या जुलूस की अनुमति नहीं होगी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इसके तहत विरोध मार्च, जुलूस, प्रदर्शन और पांच या अधिक लोगों के एकत्र होने पर प्रतिबंध है। केवल जंतर-मंतर स्थित निर्धारित स्थल पर पूर्व अनुमति लेकर ही शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा सकता है। पुलिस ने बताया कि 20 जुलाई से संसद का मानसून सत्र शुरू हो रहा है। इसे देखते हुए जनता, विशिष्ट व्यक्तियों और महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए व्यापक सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। किसी भी अनधिकृत गतिविधि को अनुमति नहीं दी जाएगी। दिल्ली पुलिस ने चेतावनी दी है कि निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 तथा अन्य संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी अनधिकृत सभा, मार्च या प्रदर्शन में शामिल न हों तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। साथ ही सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों पर ध्यान न देकर केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करें। पुलिस का कहना है कि राजधानी में शांति एवं सुरक्षा बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिना अनुमति किसी भी संगठन या व्यक्ति को मार्च या प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी जाएगी। उल्लंघन की स्थिति में आवश्यक कानूनी कार्रवाई के साथ सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी की जाएगी।

काकादेव पुलिस द्वारा फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले गिरोह का खुलासा

कानपुर। कमिश्नरेट कानपुर नगर के थाना काकादेव पर एक व्यक्ति द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई कि उसने जन्म प्रमाण पत्र बनवाने हेतु एक जनसेवा केंद्र पर आवेदन किया था, किन्तु उसे दिल्ली नगर निगम के नाम से फर्जी जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध कराया गया। सहायक पुलिस आयुक्त स्वरुप नगर ज्योति श्री ने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना काकादेव पुलिस द्वारा जांच की गई, जिसमें शास्त्री नगर स्थित एक जनसेवा केंद्र, संचालक अखिलेश गुप्ता पुत्र गणेश प्रसाद गुप्ता, की संलिप्तता प्रकाश में आई। जांच में पाया गया कि अभियुक्त अपने दो साथियों के साथ मिलकर फर्जी एवं कूटरचित जन्म, मृत्यु, आय तथा निवास प्रमाण पत्र तैयार करता था। इन फर्जी दस्तावेजों पर दिल्ली नगर निगम का विवरण अंकित कर उनका उपयोग आधार कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में संशोधन कराने के लिए किया जाता था। उक्त तथ्यों के आधार पर दिनांक 18.07.2026 को थाना काकादेव पर अभियोग पंजीकृत किया गया। पुलिस ने मुख्य अभियुक्त अखिलेश गुप्ता को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दिल्ली नगर निगम के नाम से तैयार 27 फर्जी एवं कूटरचित जन्म प्रमाण पत्र बरामद किए हैं।

पानी के लिए तरसती पटेल नगर की जनता

बच्चों के स्कूल में पानी गंभीर समस्या बनी बच्चे घर वापस लौटने को मजबूर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

एक तरफ जहां देश के विभिन्न हिस्सों में पानी एक गंभीर समस्या बन रही है खेत खलिहान सब डूबे हुए है घर मकान डूब रहे है तास के पत्ते की तरह गिर रहे है वही दिल्ली के पटेल नगर में पानी पीने के लिए भी बड़ी मुश्किल से मिल पा रहा है। पटेल नगर का वार्ड 85 और वार्ड 88 जो भौगोलिक रूप से पहाड़ी पर बसा हुआ है जहां पर पानी की आपूर्ति टैंकरों से होती है लेकिन विगत 15 दिनों से टैंकर का पानी भी मिल पाना बहुत मुश्किल हो गया है। जिन क्षेत्रों में नल से जल आता था वहां भी पानी मिल पाना बहुत मुश्किल हो गया है अधिकतर बोरिंगे बंद हो चुकी है। इस गंभी समस्या पर दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों की लापरवाही सीधे तौर पर देखी जा सकती है। समस्या इतनी गंभीर हो गई है कि वार्ड 88 में दो सरकारी विद्यालय एक बारहवीं तक दूसरा 5 वीं तक है बच्चे स्कूल से घर भेज दिए जा रहे है क्योंकि उनको पीने और शौचालय जाने के लिए पानी स्कूल में नहीं है। जिसके बाद स्कूल के प्रिंसिपल बच्चों को घर भेज दे रहे है। क्षेत्रीय समाज सेवक एस के चौबे ने बताया कि पानी एक गंभीर समस्या बन गई है जिसके कारण लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो गया है लोग मजबूर है और लाचार है। दिल्ली जल बोर्ड के शीर्ष अधिकारी इस गंभीर समस्या पर मानो विचार ही नहीं कर रहे है। मेरे 24 वर्ष के सामाजिक जीवन में पानी की इतनी बड़ी गंभीर समस्या कभी नहीं देखा गया।क्षेत्रीय लोग जल बोर्ड के अधिकारियों नेताओं के चक्कर लगा लगा कर थक गए हैं लेकिन निदान नहीं मिल पाया।जल बोर्ड के अधिशासी अधिकारी दीपक कुमार का व्यवहार भी जनता के साथ ठीक नहीं है, जनता से कोई अधिकारी बात करने के लिए तैयार ही नहीं है। अब राम ही बचाये पटेल नगर की जनता को और बच्चों के कैरियर को जो स्कूल में भी नहीं पढ़ने पा रहे है।

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब कांग्रेस में घमासान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चंडीगढ़/ पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस एक बार फिर आंतरिक कलह से जूझ रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के नेतृत्व को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और उनके समर्थकों ने खुला मोर्चा खोल दिया है। इस बीच पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल ने अपनी रिपोर्ट कांग्रेस हाईकमान को सौंपते हुए राजा वड़िंग को प्रदेश अध्यक्ष बनाए रखने की सिफारिश की है। इससे पार्टी के भीतर नेतृत्व विवाद और तेज हो गया है।सूत्रों के अनुसार, भूपेश बघेल ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि पंजाब के अधिकांश जिला अध्यक्ष और सांसद राजा वड़िंग के साथ हैं। वहीं चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा और कई वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि प्रदेश संगठन को नए नेतृत्व की जरूरत है। उनका आरोप है कि मौजूदा प्रदेश अध्यक्ष राज्य सरकार के खिलाफ प्रभावी विपक्ष की भूमिका नहीं निभा पा रहे हैं।रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने पंजाब के हालात पर मंथन किया। बैठक में पार्टी की बढ़ती गुटबाजी, संगठनात्मक स्थिति और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। राहुल गांधी ने चुनाव से पहले नेताओं के सार्वजनिक मतभेदों पर नाराजगी भी जताई और सभी को एकजुट होकर चुनाव लड़ने का संदेश दिया।भूपेश बघेल ने चंडीगढ़ में छह दिनों तक विभिन्न नेताओं से अलग-अलग और सामूहिक बैठकें की थीं। इसके बाद उन्होंने हाईकमान को विस्तृत रिपोर्ट सौंपी। हालांकि पार्टी के भीतर विरोध अभी भी थमा नहीं है और अंतिम फैसला राहुल गांधी व कांग्रेस नेतृत्व के हाथ में माना जा रहा है।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पंजाब में कांग्रेस पहले भी आंतरिक कलह का नुकसान उठा चुकी है। कैप्टन अमरिंदर सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू के बीच टकराव के बाद पार्टी सत्ता से बाहर हो गई थी। ऐसे में यदि मौजूदा नेतृत्व विवाद जल्द नहीं सुलझा, तो आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को एक बार फिर राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। फिलहाल सभी की निगाहें कांग्रेस हाईकमान के अंतिम फैसले पर टिकी हैं।

नवीन मंडी राजापुर बनी तालाब,किसान व आढ़ती बेहाल

लखीमपुर खीरी- विकास के दावे हवा-हवाई साबित हो रहे हैं। नवीन मंडी राजापुर की तस्वीरें खुद चीख-चीख कर सरकारी व्यवस्था की पोल खोल रही हैं। जरा सी बारिश में मंडी तालाब में तब्दील हो गई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि नवीन मंडी राजापुर के अंदर भारी बारिश के बाद पानी भर गया है। जगह-जगह गंदगी का अंबार और कीचड़ लगा हुआ है मंडी में आए किसान अपनी उपज बेचने को तरस रहे हैं। ट्रैक्टर-ट्रोली और पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। मंडी से निकलने वाले नाले का गंदा पानी मंडी परिसर में भर गया है। बदबू और गंदगी की वजह से बैठना भी मुश्किल है। आढ़तियों का कहना है कि पानी और कीचड़ के कारण न तो माल की लोडिंग हो पा रही है और न ही बिक्री। मंडी समिति के लोगों का आरोप है कि आगे नाला बंद कर दिया गया है। उसी वजह से पानी की निकासी नहीं हो पा रही और पूरा पानी मंडी में भर गया है। वही करोड़ों की लागत से बनी 'नवीन मंडी' में अगर पहली बारिश में ही ये हाल है तो किसानों के लिए विकास कहां है!

जनगणना फॉर्मों का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण पूरा करने वाले 27 बीएलओ सम्मानित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कपूरथला- डिप्टी कमिश्नर -कम-जिला चुनाव अधिकारी आकाश बांसल ने मतदाता सूचियों की चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण मुहिम के तहत इन्यूमरेशन फॉर्मों का 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 27 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को सम्मानित किया। डिप्टी द्वारा सम्मानित किए गए बूथ लेवल अधिकारियों में अभिषेक, सुरजीत सिंह, प्रीत हरविंदर सिंह, भूपिंदर कौर, मोहम्मद यासीन अंसारी, अतिंदर पाल सिंह, अमनदीप, मोनिका, सीमा रानी, शालू सूद, कपिल नाहल, निशांत कुमार, परमजीत सिंह, शिखा, मीनू, बिक्रमजीत सिंह, टोनी कौड़ा, शरणजोत सिंह, प्रदीप कुमार, हरप्रीत कौर, विजय कुमार गुप्ता, मनजीत सिंह, अश्वनी ग्रोवर, रमणदीप सिंह, जसवंत कुमार, मीना कुमारी और ज्योति रानी शामिल हैं। इन सभी को डिजिटलीकरण की प्रक्रिया समय पर पूरा करने में निभाई गई बेहतरीन कार्यक्षमता और समर्पण के लिए सम्मानित किया गया। बीएलओ को बधाई देते हुए डिप्टी कमिश्नर आकाश बांसल ने कहा कि उनकी प्रतिबद्धता और दक्षता ने जिले में कार्यरत अन्य बूथ लेवल अधिकारियों के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने अन्य बीएलओ से अपील की कि मतदाता सूचियों के बचे हुए फॉर्मों के डिजिटलीकरण के कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि जिला निर्धारित समय से पहले 100 प्रतिशत डिजिटलीकरण का लक्ष्य हासिल कर सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव करवाने के लिए मतदाता सूचियों की सही और समय पर तैयारी बेहद जरूरी है। डिप्टी कमिश्नर ने आगे बताया कि इस विशेष गहन पुनरीक्षण मुहिम को पूरा करने के लिए जिले भर में 791 बूथ लेवल अधिकारी तैनात किए गए हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से भी अपील की कि वे चल रही पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान बूथ लेवल अधिकारियों को अपना पूरा सहयोग दें और यह सुनिश्चित करें कि उनके वोट संबंधी विवरण सही ढंग से अपडेट किए जाएं, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूत किया जा सके। उन्होंने लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए वोटर हेल्पलाइन टोल-फ्री नंबर 1950 या जिला प्रशासन के हेल्पलाइन नंबर 01822-233777 पर संपर्क किया जा सकता है।

चेक बाउंस मामलों के त्वरित निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत

15,036 मामलों का हुआ समाधान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नालसा के मार्गदर्शन में दिल्ली राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण डीएसएलएसए ने बीते शनिवार को दिल्ली के सभी जिला न्यायालय परिसरों में परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 138 के तहत चेक बाउंस मामलों के निपटारे के लिए विशेष लोक अदालत का आयोजन किया। इस विशेष लोक अदालत में कुल 15,036 मामलों का निपटारा किया गया तथा 1.31 करोड़ रुपये (?1,31,40,000) से अधिक की राशि के समझौते संपन्न हुए। यह पहल लंबित मामलों का बोझ कम करने और लोगों को त्वरित, सुलभ एवं किफायती न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।डीएसएलएसए के अनुसार, देशभर की अदालतों में चेक बाउंस से जुड़े मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे मामलों में अधिकांश विवाद धन संबंधी होते हैं और आपसी सहमति के आधार पर उनका समाधान संभव होता है। इसी उद्देश्य से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया, ताकि पक्षकारों को वर्षों तक मुकदमेबाजी का सामना न करना पड़े और उन्हें कम समय व कम खर्च में न्याय मिल सके। लोक अदालतें न केवल विवादों का सौहार्दपूर्ण समाधान करती हैं, बल्कि न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए डीएसएलएसए ने सभी जिला न्यायालयों के साथ मिलकर व्यापक तैयारियां की थीं। इसके तहत धारा 138 के लंबित एवं वाद पूर्व मामलों की पहचान कर सूची तैयार की गई, संबंधित पक्षकारों को समय पर नोटिस भेजे गए, बैंकों के अधिकृत अधिकारियों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई तथा पर्याप्त संख्या में लोक अदालत पीठों का गठन किया गया। साथ ही पक्षकारों को समझौते की प्रक्रिया में सहायता देने के लिए प्रशिक्षित मध्यस्थों की भी तैनाती की गई।अधिक से अधिक मामलों का निपटारा सुनिश्चित करने के लिए विशेष लोक अदालत से पहले विभिन्न न्यायालयों में प्री-लोक अदालत बैठकें आयोजित की गई, जिनमें पक्षकारों को समझौते के लिए प्रेरित किया गया।

आयोजन के दौरान डीएसएलएसए के वरिष्ठ अधिकारियों ने साकेत, तीस हजारी, कड़कड़डूमा और पटियाला हाउस न्यायालय परिसरों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया तथा न्यायिक अधिकारियों, कर्मचारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।वादकारियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न न्यायालय परिसरों में महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष सहायता काउंटर स्थापित किए गए। न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक अधिकारियों, मध्यस्थों और पक्षकारों की सक्रिय भागीदारी के कारण बड़ी संख्या में मामलों का आपसी सहमति से समाधान संभव हो सका। कई वादकारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विशेष लोक अदालत के माध्यम से उनके विवादों का शीघ्र और सरल समाधान हुआ, जिससे उन्हें लंबी मुकदमेबाजी, अतिरिक्त खर्च और अनिश्चितता से राहत मिली।

129 खोए व चोरी हुए मोबाइल मालिकों को लौटाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खन्ना (लुधियाना)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) खन्ना डॉ. दर्पण आहलूवालिया के नेतृत्व में खन्ना पुलिस ने 129 खोए व चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक मालिकों को सौंप दिए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पंजाब पुलिस का आभार जताते हुए इस पहल की सराहना की। एसएसपी डॉ. दर्पण आहलूवालिया ने कहा कि यदि किसी का मोबाइल फोन खो जाए या चोरी हो जाए, तो इसकी सूचना बिना विलंब निकटतम सांझ केंद्र में दर्ज करानी चाहिए। इसके बाद साइबर अपराध थाना की सहायता से सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल पर मोबाइल को ब्लॉक कराया जा सकता है, जिससे उसका दुरुपयोग रोका जा सके। उन्होंने बताया कि ब्लॉक किए गए मोबाइल का कोई भी व्यक्ति उपयोग करता है तो उसकी जानकारी पुलिस को मिल जाती है, जिससे उसकी बरामदगी आसान हो जाती है। उन्होंने मोबाइल प्राप्त करने वाले सभी लोगों से अपने-अपने सांझ केंद्र जाकर मोबाइल अनलॉक कराने की अपील की, ताकि वे उनका सामान्य रूप से उपयोग कर सकें। एसएसपी ने लोगों को साइबर ठगी के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि यदि किसी के साथ ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होती है, तो तुरंत 1930 टोल-फ्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराएं या साइबर अपराध पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने बताया कि साइबर ठगी के शुरुआती कुछ घंटे 'स्वर्णिम समय' (गोल्डन आवर) होते हैं। इस दौरान शिकायत दर्ज होने पर ठगी की गई राशि को रोकने और कानूनी प्रक्रिया के तहत पीड़ित के खाते में वापस दिलाने की संभावना अधिक रहती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपनी बैंकिंग जानकारी, ओटीपी अथवा अन्य गोपनीय सूचनाएं किसी अज्ञात व्यक्ति के साथ साझा न करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पंजाब पुलिस को दें।

मेयर ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

लुधियाना।'मिशन क्लीन पंजाब' के तहत शहर में चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान के क्रम में मेयर प्रिंसिपल इंदरजीत कौर ने शनिवार सुबह जवद्दी क्षेत्र और मिनी सचिवालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मेयर ने सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति की जांच की तथा स्थानीय लोगों से सफाई व्यवस्था के संबंध में फीडबैक भी लिया। इस अवसर पर नगर निगम के सहायक आयुक्त जसदेव सेखों, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विपल मल्होत्रा, अमरिंदरपाल सिंह, पार्षद गोलू बाजवा, सनी बेदी, काका माछीवाड़ा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। मेयर इंदरजीत कौर ने जवद्दी क्षेत्र के एक पार्क में पौधारोपण कर लोगों को अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाए रखना प्रशासन और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। स्वच्छ शहर के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी को सक्रिय सहभागिता निभानी होगी। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि आसपास कहीं भी खुले में कचरा दिखाई देने पर नगर निगम की मानसून हेल्पलाइन 90867-91867 पर शिकायत दर्ज कराएं।

वन तारापुर में असम विश्वविद्यालय के आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग का जनसंपर्क अभियान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि- असम विश्वविद्यालय के आतिथ्य एवं पर्यटन प्रबंधन विभाग ने कछार जिले के वन तारापुर में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित कर स्वच्छता, आतिथ्य संस्कृति, पर्यटन विकास, स्थानीय विरासत संरक्षण और सतत ग्रामीण विकास के प्रति लोगों को जागरूक किया। विभागाध्यक्ष प्रो. संजीव कुमार सक्सेना के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. एस. एन. विश्वास, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. प्रणबेश चक्रवर्ती एवं विभाग के शोधार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों को व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, जिम्मेदार नागरिक व्यवहार तथा पर्यटकों के स्वागत में आतिथ्य एवं शिष्टाचार के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही पर्यटन क्षेत्र के माध्यम से रोजगार के अवसर, स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। प्रतिनिधिमंडल ने स्थानीय बुनकरों और हस्तशिल्प कारीगरों से संवाद कर हथकरघा एवं हस्तनिर्मित उत्पादों को पर्यटन से जोड़ने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि इससे स्थानीय कारीगरों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पारंपरिक कला और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में भी मदद मिलेगी। कार्यक्रम के अंत में प्रतिनिधिमंडल ने बराक संग्रहालय एवं पुस्तकालय का भ्रमण किया और क्षेत्र के इतिहास, साहित्य एवं सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण में इन संस्थानों की भूमिका पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय समुदाय के सहयोग से उत्तरदायी पर्यटन एवं सतत विकास को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

सरकारी स्कूल खड़कां में 'मिशन समर्थ' ने छुई नई ऊंचाइयां

बाल कलाकारों ने दिखाई अपनी साहित्यिक प्रतिभा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

होशियारपुर- शिक्षा के स्तर को ऊंचा उठाने और बच्चों में रचनात्मकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया गया 'मिशन समर्थ' अब सफलता की नई बुलंदियों को छू रहा है। ब्लॉक होशियारपुर 2 बी के अंतर्गत आते सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खड़कां में प्रिंसिपल तरलोचन सिंह की कुशल और संजीदा रहनुमाई में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में, स्कूल के छठी से लेकर आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के भीतर कहानी और कविता रचना की क्षमता को बखूबी प्रफुल्लित किया जा रहा है। विद्यार्थियों की इस साहित्यिक प्रतिभा को निखारने और उन्हें एक मंच प्रदान करने के लिए हाल ही में स्कूल में एक विशेष प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस पूरे आयोजन में यह बात विशेष रूप से उल्लेखनीय रही कि शिक्षक विजय कलसी ने छात्रों के मन में कविता और रचनात्मक लेखन के प्रति गहरी रुचि पैदा करने के लिए विशेष प्रयास किए। उनके इसी मार्गदर्शन की बदौलत बच्चों ने इस प्रतियोगिता में पूरे उत्साह के साथ अपनी कलम का जादू बिखेरा। प्रतियोगिता के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिनमें आठवीं कक्षा की होनहार छात्राएं– दीया, रौन और सोना मुख्य रूप से विजेता रहीं। इस अवसर पर उपस्थित छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए प्रिंसिपल तरलोचन सिंह ने कहा कि विद्यालय में भाषा और शिक्षा की महक अब तेजी से आगे बढ़ने लगी है। उन्होंने विश्वास जताया कि ऐसे निरंतर प्रयासों से साहित्य के ये बाल कलाकार भविष्य में और अधिक चमकेंगे। इस गरिमामयी कार्यक्रम के अवसर पर स्कूल स्टाफ से परमिंदर सिंह, रवि कुमार, सुखवीर सिंह, विजय कलसी, मीनाक्षी, दलजीत किंद, निधि शर्मा, अमनप्रीत कौर, सुषमा देवी, मोनिका राणा, अजय कुमार और रमणीक घुम्मन आदि विशेष रूप से उपस्थित थे।

अलमस्त बापू मेले की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

जालंधर। सालाना अलमस्त बापू लाल बादशाह जी मेले के मद्देनज़र जालंधर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) हरविंदर सिंह विर्क ने मेला स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक (जांच) मंजीत कौर, पुलिस अधीक्षक (स्थानीय) डॉ. मुकेश कुमार, सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारी मौजूद रहे। एसएसपी ने अधिकारियों को श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा पूरे मेले के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी राजपत्रित अधिकारियों को अपने-अपने ड्यूटी स्थल पर निगरानी रखने और उप पुलिस अधीक्षकों (डीएसपी) को अपने-अपने उपमंडलों में सुरक्षा व्यवस्था की लगातार समीक्षा करने के लिए कहा। उन्होंने प्रभावी नाकाबंदी, नियमित गश्त, संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन जांच, भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में विशेष निगरानी, पार्किंग एवं यातायात प्रबंधन तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने सभी थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सतर्क निगरानी रखने, गश्त बढ़ाने, खुफिया तंत्र को मजबूत करने तथा फील्ड स्टाफ के साथ बेहतर समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए, ताकि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जालंधर ग्रामीण पुलिस ने मेला स्थल और आसपास सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध, नाकाबंदी, गश्त और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित की है। पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे पुलिस के निर्देशों का पालन करें, निर्धारित मार्गों का उपयोग करें तथा मेले के सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित आयोजन में सहयोग करें।

अमेरिका-ईरान संघर्ष तेज: तेहरान का परमाणु संयंत्र निशाने पर होने का दावा

तेहरान/वॉशिंगटन(एजेंसी)। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य तनाव लगातार गहराता जा रहा है। ईरान ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना ने खुजेस्तान प्रांत स्थित निर्माणाधीन दरखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर मिसाइल हमला किया है। वहीं, कुवैत ने भी आरोप लगाया है कि ईरान ने उसके क्षेत्र पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, जिसके बाद उसकी वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय करनी पड़ी। ईरान के परमाणु ऊर्जा संगठन के अनुसार स्थानीय समयानुसार तड़के करीब 3:39 बजे दरखोविन परमाणु ऊर्जा संयंत्र परिसर में कई मिसाइलें गिरीं। संगठन ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। वर्ष 2022 में शुरू हुई इस परियोजना को ईरान की महत्वपूर्ण परमाणु परियोजनाओं में शामिल माना जाता है। उधर, अमेरिकी सेना ने शनिवार को ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) से जुड़े ठिकानों पर नए हवाई हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए हमले के जवाब में की गई, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई थी। अमेरिका का कहना है कि इन अभियानों का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है। इस बीच, कुवैत ने आरोप लगाया कि ईरान ने उसके क्षेत्र पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया, जिससे कुछ रणनीतिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचा। हमले के बाद देश की वायु रक्षा प्रणाली को तत्काल सक्रिय कर दिया गया। तनाव के बीच ईरान के वरिष्ठ नेता इब्राहिम अजीजी ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अमेरिकी सैनिक अपनी सुरक्षा चाहते हैं तो उन्हें क्षेत्र छोड़ देना चाहिए। वहीं, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका पर हालिया समझौता तोड़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि हमले जारी रहे तो ईरान करारा जवाब देगा। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका किसी भी कीमत पर ईरान को परमाणु हथियार विकसित नहीं करने देगा। उन्होंने जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों पर हुए हमले के बाद सैन्य कार्रवाई जारी रखने के संकेत दिए। बढ़ते तनाव का असर ऊर्जा क्षेत्र पर भी दिखाई देने लगा है। अमेरिकी ऊर्जा कंपनी एचकेएन एनर्जी ने सुरक्षा कारणों से इराक के कुर्दिश क्षेत्र में तेल उत्पादन का कार्य अस्थायी रूप से रोक दिया है। इससे पहले यूएई की कंपनी दाना गैस भी क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा जोखिमों के चलते अपना परिचालन स्थगित कर चुकी है। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ते सैन्य टकराव के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय की चिंता भी बढ़ गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि दोनों देशों के बीच तनाव कम नहीं हुआ तो इसका असर वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और क्षेत्रीय सुरक्षा पर पड़ सकता है।

संगठन ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया। वर्ष 2022 में शुरू हुई इस परियोजना को ईरान की महत्वपूर्ण परमाणु परियोजनाओं में शामिल माना जाता है। उधर, अमेरिकी सेना ने शनिवार को ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) से जुड़े ठिकानों पर नए हवाई हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक यह कार्रवाई जॉर्डन में हुए हमले के जवाब में की गई, जिसमें दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई थी। अमेरिका का कहना है कि इन अभियानों का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का नियमित संचालन शुरू, पहले दिन 15 यात्रियों ने किया सफर

जींद। देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन का रविवार से जींद-पिंडारा रेलखंड पर नियमित संचालन शुरू हो गया। ट्रेन निर्धारित समय सुबह 7:45 बजे जींद रेलवे जंक्शन से रवाना होकर करीब 10 मिनट में 5 किलोमीटर दूर पिंडारा रेलवे जंक्शन पहुंची। नियमित परिचालन के पहले दिन पिंडारा स्टेशन से करीब 15 यात्रियों ने इस ट्रेन में सफर किया। पहले दिन ट्रेन का संचालन सामान्य रूप से हुआ और इसके स्वागत के लिए कोई विशेष कार्यक्रम आयोजित नहीं किया गया। ट्रेन में यात्रा करने वाले यात्रियों ने इसकी साफ-सफाई, आरामदायक सीटों और आधुनिक सुविधाओं की सराहना की। यात्रियों का कहना था कि देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन में सफर करना उनके लिए यादगार अनुभव रहा और यह भारतीय रेलवे के भविष्य की नई तकनीक की झलक है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार पहले दिन यात्रियों की संख्या अपेक्षाकृत कम रहने का मुख्य कारण ट्रेन के नए समय की जानकारी का लोगों तक नहीं पहुंच पाना रहा। इससे पहले इसी रेलखंड पर ट्रेन सुबह 5:35 बजे संचालित होती थी, जिसके कारण कई यात्री पुराने समय के अनुसार स्टेशन पहुंचे। पिंडारा रेलवे जंक्शन के सहायक स्टेशन मास्टर कुलदीप जागलान ने बताया कि जैसे-जैसे लोगों को ट्रेन के नियमित संचालन और समय की जानकारी मिलेगी, यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 17 जुलाई को जींद रेलवे जंक्शन से देश की पहली तथा दुनिया की सबसे लंबी और शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। नियमित परिचालन शुरू होने के बाद अब इस अत्याधुनिक ट्रेन की सफलता का आकलन यात्रियों की संख्या और इसके नियमित उपयोग के आधार पर किया जाएगा।

मलिहाबाद में एक्सीडेंट मामले में नया मोड़,लल्ला यादव पर झूठे मुकदमे की साजिश रचने का आरोप

..... 'राज यादव ने कहा साहब मै निर्दोष हूं ',निष्पक्ष जांच की मांग !

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। 16 जुलाई 2026 की रात लगभग 9 बजे गांव के मंदिर के पास हुए एक्सीडेंट मामले में अब नया विवाद सामने आया है। तिलसुवा निवासी सरला पत्नी कालवीर यादव ने पुलिस को दिए गए प्रार्थना पत्र में निरंजन सिंह उर्फ लल्ला पर गंभीर आरोप लगाए हैं। प्रार्थना पत्र में दावा किया गया है कि शिकायतकर्ता निरंजन सिंह उर्फ लल्ला ने रंजिश के चलते उनके दोनों बेटों को झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश रची है। प्रार्थना पत्र के अनुसार, एक्सीडेंट की घटना में शिकायतकर्ता ने सरला के पुत्र रजत यादव और राज यादव का नाम लिखवा दिया, जबकि परिवार का कहना है कि घटना के समय दोनों मौके पर मौजूद ही नहीं थे। सरला का आरोप है कि उनका छोटा बेटा रजत यादव उस समय लखनऊ के पारा क्षेत्र स्थित अपने बड़े भाई के मेडिकल स्टोर पर मौजूद था, जबकि बड़ा बेटा राज यादव घर पर किसानों का हिसाब-किताब कर रहा था। प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि निरंजन सिंह उर्फ लल्ला ने पूर्व नियोजित षड्यंत्र के तहत दोनों युवकों को मामले में फंसाने का प्रयास किया है। सरला ने यह भी कहा है कि शिकायतकर्ता पहले भी गांव के लोगों को झूठे मुकदमों में फंसाने का प्रयास करता रहा है और इसी मंशा से इस घटना का सहारा लिया गया। वहीं राज यादव का लगातार यही कहना है कि उसका इस घटना से कोई भी दूर दूर तक लेना देना नहीं, साज़िशन उसे अपराधी बनाया जा रहा है द्य वह लगातार उच्च अधिकारियों से गुहार लगा रहा है कि साहब मै निर्दोष हूं द्य निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और जो भी दोषी हो उसे सजा मिलनी चाहिए प्रार्थिनी ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष जांच कराई जाए। उनका कहना है कि यदि निष्पक्ष जांच की जाती है तो सच्चाई सामने आ जाएगी और निर्दोष लोगों को न्याय मिलेगा। प्रार्थना पत्र में यह भी मांग की गई है कि यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं, तो निरंजन सिंह उर्फ लल्ला के खिलाफ कानूनी एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

कायस्थ पार्टी ने 2027 विधानसभा चुनाव का फूंका बिगुल, 100 सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में प्रदेश कार्यालय का उद्घाटन, राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय शंकर श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारियों में जुटने का किया आह्वान उत्तर प्रदेश की राजनीति में अपनी सक्रियता बढ़ाते हुए किसान आम जन युवा शोषित ट्रेडर्स हमारी पार्टी (कायस्थ पार्टी) ने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए चुनावी बिगुल फूंक दिया है। राजधानी लखनऊ में पार्टी के प्रदेश कार्यालय का भव्य उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अजय शंकर श्रीवास्तव के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय शंकर श्रीवास्तव ने कहा कि प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही पार्टी ने 2027 विधान सभा चुनाव की तैयारियों का औपचारिक शुभारंभ कर दिया है। उन्होंने घोषणा की कि कायस्थ पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव में कम से कम 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी और मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी किसानों, आम जनता, युवाओं, महिलाओं, व्यापारियों तथा समाज के शोषित और उपेक्षित वर्गों की आवाज बनकर कार्य कर रही है। प्रदेश में बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान तथा विकास से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अभी से चुनावी तैयारियों में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुट जाने का आह्वान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संगठन की मजबूती ही चुनावी सफलता की कुंजी है। इसलिए प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता को गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक संगठन का विस्तार करना होगा तथा जनसंपर्क अभियान चलाकर पार्टी की नीतियों और विचारों को जनता तक पहुंचाना होगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सचिव मिलिंद श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष आनंद श्रीवास्तव, जौनपुर की भावी विधानसभा प्रत्याशी अंजनी तथा उनके साथ आए जौनपुर के अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा प्रांतीय महिला अध्यक्ष सुमन श्रीवास्तव, राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नीरज मिश्रा, लखनऊ जिला अध्यक्ष, बस्ती जिला अध्यक्ष डॉ. रत्नेश श्रीवास्तव एवं उनके साथ आए कार्यकर्ता, अयोध्या से आए जिला अध्यक्ष तथा विभिन्न जिलों के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन समारोह में उपस्थित नेताओं ने संगठन विस्तार, सदस्यता अभियान और आगामी चुनावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। वक्ताओं ने कहा कि पार्टी प्रदेश के सभी वर्गों को साथ लेकर विकास, सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों पर राजनीति करेगी। कार्यक्रम के अंत में प्रदेश महासचिव बी.के. श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सहयोग और सहभागिता से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की मजबूती और 2027 विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन के लक्ष्य को लेकर पूरी ऊर्जा के साथ कार्य करेगा। प्रदेश कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही कायस्थ पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने और प्रदेश की राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रही है।

मलिहाबाद: प्रधान का कार्यकाल खत्म, सचिव और ब्लॉक अधिकारियों की लापरवाही से चाँदपुर गंदगी में डूबा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद, लखनऊ। मलिहाबाद विकासखंड की ग्राम पंचायत सुरगौला के ग्राम चाँदपुर की स्थिति जिम्मेदार अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर रही है। गांव में जगह-जगह खुली नालियां, रास्तों पर फैली गंदगी और उगी झाड़ियां ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। बरसात के मौसम में हालात और भी बदतर हो गए हैं, जिससे संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम प्रधान से शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। अब प्रधान का कार्यकाल समाप्त हो चुका है, जिसके बाद सफाई व्यवस्था पूरी तरह भगवान भरोसे दिखाई दे रही है। आरोप है कि सफाईकर्मी मनमानी कर रहे हैं और नियमित सफाई नहीं की जा रही है, जिससे गांव में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। ग्रामीणों ने पंचायत सचिव पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सचिव गांव की समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं और पंचायत का रुख करना भी पसंद नहीं करते। वहीं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों पर भी लापरवाही के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो निरीक्षण किया गया और न ही समस्या के समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम उठाया गया। गांव की बदहाल तस्वीरें यह सवाल खड़ा कर रही हैं कि आखिर सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाली सफाई व्यवस्था और विकास कार्य धरातल पर क्यों दिखाई नहीं दे रहे हैं। यदि समय रहते नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई और रास्तों की साफ-सफाई नहीं कराई गई तो बरसात के दौरान बीमारियों का खतरा और अधिक बढ़ सकता है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि ग्राम चाँदपुर की स्थिति का तत्काल संज्ञान लेकर पंचायत सचिव, सफाई व्यवस्था और ब्लॉक स्तर पर जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए तथा गांव में युद्धस्तर पर सफाई अभियान चलाकर लोगों को गंदगी और संभावित बीमारियों से राहत दिलाई जाए।

याद ए सकीना बिन्तुल हुसैन में शहादत का ग़मगीन तज़केरा सुन अक़ीदतमंदों के छलके आंसू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। हैदरी पत्थर गली शहनूर अलीगंज प्रयागराज की जानिब से शनिवार रात यादे सकीना बिन्तुल हुसैन (स.अ.) के अवसर पर एक मजलिस का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए। कार्यक्रम में दिल्ली से आए मौलाना सैयद कल्बे रुशैद साहब क़िबला ने ख़िताब करते हुए हज़रत सकीना (स.अ.) की ज़िंदगी,सब्र और करबला के पैगाम पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि करबला का संदेश इंसानियत, सब्र और सच्चाई पर डटे रहने की सीख देता है। मजलिस की शुरुआत तिलावत-ए-कुरआन ए पाक से हुई, जिसके बाद नज़राना-ए-अक़ीदत और मर्सिया पेश किया गया। कार्यक्रम में शहर और आसपास के इलाकों से बड़ी संख्या में लोगों ने शिरकत की और पूरे अदब व एहतराम के साथ मजलिस को सुना।ताबूत ए सकीना व अलम भी निकाला गया।जिसकी जियारत को अक़ीदतमन्दों का सैलाब उमड़ पड़ा। अन्जुमन हैदरिया रानी मण्डी के नौहाख्वानों ने पुरदर्द नौहा पढ़ा।

आखिर में मुल्क में अमन-चैन, भाईचारे और इंसानियत की भलाई के लिए दुआ की गई।

कोर्टरूम में रील बनाने वाले वकीलों पर होगी कार्रवाई, बार काउंसिल का सर्कुलर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) ने वकीलों के लिए सोशल मीडिया और डिजिटल नैतिकता के नियमों को लेकर सर्कुलर जारी किया है। इसके तहत वकीलों के कोर्टरूम या अदालत परिसर में सोशल मीडिया के लिए रील बनाने पर रोक लगाई गई है। नियमों का उल्लंघन करने वाले वकीलों, कानून के छात्रों और इंटर्न के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बीसीआई ने सभी राज्य बार काउंसिल को वकीलों के सोशल मीडिया इस्तेमाल और डिजिटल आचरण से जुड़े नए नियम तुरंत लागू करने का निर्देश दिया है। 17 जुलाई को जारी पत्र में बीसीआई ने सभी राज्य बार काउंसिल के अध्यक्ष और सचिवों से कहा कि इन दिशा-निर्देशों को वकीलों, लॉ फर्मों, बार एसोसिएशनों और कानूनी संस्थानों तक व्यापक रूप से पहुंचाया जाए, ताकि इनका सख्ती से पालन हो। नए नियमों के अनुसार, वकीलों को सोशल मीडिया पर पेशेवर आचरण बनाए रखना होगा। अदालतों के खिलाफ अपमानजनक, भ्रामक या मानहानिकारक पोस्ट करने पर रोक रहेगी। साथ ही, मुवक्किल की गोपनीय जानकारी और अदालत की गोपनीय कार्यवाही सार्वजनिक नहीं की जा सकेगी। बार काउंसिल ने वकीलों से डिजिटल माध्यम में भी अदालत की गरिमा बनाए रखने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से तैयार सामग्री का अनैतिक उपयोग न करने और सभी ऑनलाइन संवाद को पेशे की नैतिक मर्यादा के अनुरूप रखने को कहा है। बीसीआई ने राज्य बार काउंसिल को निर्देश दिया है कि वे इन नियमों को अपनी वेबसाइट, सोशल मीडिया और नोटिस बोर्ड पर जारी करें। साथ ही वेबिनार, कार्यशाला और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर वकीलों को नए नियमों की जानकारी दें। नामांकन या नवीनीकरण के समय वकीलों से इन दिशा-निर्देशों का पालन करने का लिखित घोषणा-पत्र भी लिया जाएगा।

राम मंदिर ट्रस्ट को 'पब्लिक ट्रस्ट' के तौर पर फिर से बनाया जाए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। निर्मोही अखाड़े ने सुप्रीम कोर्ट से 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के पुनर्गठन के लिए निर्देश देने की मांग की। अखाड़े का तर्क है कि ट्रस्ट का मौजूदा स्वरूप सुप्रीम कोर्ट के 2019 के अयोध्या फैसले की भावना के खिलाफ है और इसमें जवाबदेही की कमी है। यह मिसलेनियस एप्लीकेशन (विविध याचिका) अयोध्या टाइटल विवाद की उस कार्यवाही में दायर की गई, जिसका निपटारा हो चुका है। इसमें संविधान पीठ द्वारा 9 नवंबर, 2019 के फैसले में दिए गए निर्देशों को लागू करने की मांग की गई। अखाड़े का कहना है कि फैसले में मंदिर के मैनेजमेंट में उसकी 'उचित भूमिका' की परिकल्पना की गई थी, लेकिन केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई योजना ने उसे ट्रस्ट के कामकाज और धार्मिक कार्यों, दोनों से ही बाहर कर दिया। यह याचिका 'श्री पंच रामानंदी निर्मोही अखाड़ा' की ओर से उसके सरपंच, महंत और सर्वाकार, महंत राजा रामचंद्रचार्य अतीत गुरु रघुनाथ दास ने दायर की। उनका दावा है कि उन्हें 5 जुलाई, 2026 के एक प्रस्ताव के जरिए नियुक्त और मान्यता दी गई। याचिका में कहा गया कि अखाड़ा एक 'पंचायती मठ' है, जिसके फैसले उसकी पंचायत द्वारा लोकतांत्रिक प्रक्रिया से लिए जाते हैं। साथ ही यह भी कहा गया कि वह अयोध्या टाइटल विवाद में मुख्य पक्षों में से एक था याचिका के अनुसार, ट्रस्ट सुप्रीम कोर्ट के फैसले की मंशा के विपरीत बिना किसी प्रभावी कानूनी निगरानी के एक 'प्राइवेट ट्रस्ट' के तौर पर काम कर रहा है। इसमें ट्रस्ट को 'पब्लिक ट्रस्ट' के तौर पर फिर से बनाने और इसके कामकाज में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक स्वतंत्र निगरानी तंत्र बनाने की मांग की गई। अखाड़े ने कोर्ट से आग्रह किया कि वह केंद्र सरकार को ट्रस्ट डीड में उचित संशोधन करने और 'बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज' का पुनर्गठन करने का निर्देश दे। इसमें 'रामानंदी बैरागी संप्रदाय' के सदस्यों वाला एक निगरानी बोर्ड शामिल करने की बात कही गई। साथ ही यह भी मांग की गई है कि ट्रस्टियों का चयन 'उच्च ईमानदारी' वाले उन लोगों में से किया जाए जिनका श्री राम जन्मभूमि या रामानंदी परंपराओं से ऐतिहासिक, कानूनी या धार्मिक संबंध रहा हो। भक्तों के चढ़ावे की चोरी और वित्तीय अनियमितताओं के हालिया आरोपों का ज़िक्र करते हुए अखाड़े का कहना है कि ट्रस्ट के कामकाज में जवाबदेही की भारी कमी दिखी। इसने एक स्वतंत्र समिति नियुक्त करने की मांग की, जो यह जांच करे कि क्या केंद्र ने 2019 के फैसले को ईमानदारी से लागू किया। साथ ही ट्रस्ट के वित्तीय और संपत्ति-संबंधी लेन-देन का फॉरेंसिक ऑडिट कराने का भी अनुरोध किया।

शंकरगढ़ मे खभे पर लगी स्ट्रीट लाइट बनी शो पीस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। शंकरगढ़ नगर पंचायत मे बिजली के खंभे लगे होने के बावजूद ज्यादातर खम्भे पर स्ट्रीट लाइटें नहीं लगी है और जहाँ लगी है वो ख़राब है । इसके परिणामस्वरूप शाम होते ही पूरा इलाका अंधेरे में डूब जाता है, जिससे स्थानीय निवासियों व राहगीरो को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र में शाम होते ही अंधेरा छा जाने से लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है। निवासियों का कहना है कि वार्ड मे , खासकर पंखा चौराहे, मे लगे खंभों पर लगी स्ट्रीट लाइटें करीब एक महीने से ख़राब पड़ी जिसकी कई बार शिकायत के बाद भी सुधारा नहीं जा सका । वार्ड वासियो ने नगर पंचायत शंकरगढ़ के चेयरमैन व अधिशाषी अधिकारी से जल्द से जल्द स्ट्रीट लाइटें लगवाने, की मांग की है। '